CMYK

इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"॥

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दावा

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

शुक्ला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
किडनी एवं मूत्र विशेषज्ञ
डॉ. तरूण ध्रुव
MBBS, FID, CCIDS, FIN
CONSULTING PHYSICIAN
IN NEPHROLOGY
डायलिसिस व सभी प्रकार के पथरी का इलाज उपलब्ध
प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार
समय: सुबह 9:30 से 11:30
बसंतपुर, राजनांदगांव (छ.ग.)
Mo. 9301033013, 9752899208

वर्ष- 44 | अंक - 280 | राजनांदगांव, शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

बस्तर संभाग में बारिश का तांडवः जगदलपुर में तीन मंजिला मकान धंसा; जान बचाकर भागे लोग, पहुंची रेस्क्यू टीम

सीएम साय ने बस्तर के बाढ़ प्रभावितों को तुरंत मदद के दिए निर्देश, बोले- संकट में लोगों के साथ खड़ी है राज्य सरकार

रायपुर/जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बाढ़ का 'तांडव' जारी है। लगातार बारिश होने से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बस्तर संभाग के कई जिलों में बारिश का जलजला देखने को मिल रहा है। लगातार चार दिनों से बारिश कहर बरपा रही है। लोगों का जीना मुहाल हो गया है। बुधवार की रात को जगदलपुर के श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड में बनी एक पुराने मकान का प्रथम दल अचानक से धंस गया। एसडीआरएफ टीम के साथ ही मेयर और निगम दस्ता भी बचाव कार्य में लगा है। पीड़ितों को बाहर निकालकर राहत शिविरों में भेजा जा रहा है।

सूचना पर एसडीआरएफ टीम के साथ ही महापौर और निगम दस्ता मौके पर पहुँचा, जहाँ पीड़ित परिवार को बाहर निकाला गया। बस्तर में लगातार हो रही बारिश के थमने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है। सड़कों में भरे बारिश का पानी धीरे धीरे सड़क से नीचे उतर रहा है। वहीं पुल-पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के बाद उसका सर्वेक्षण कार्य भी शुरू हो गया है। बरसात के चलते जिन-जिन लोगों के घर ढहे हैं, उनका भी सर्वे करने के साथ ही मुआवजा राशि देने के लिए कहा जा रहा है। बीती रात को (शेष पृष्ठ 6 पर...)

बीजापुर में आसमानी आफतः बारिश से 23 घर ढहे, 18 मवेशियों की मौत, 15 गांव में बिजली बंद

बीजापुर जिले में बीते 60 घंटों से लगातार हुई मूसलाधार बारिश ने भैरमगढ़ ब्लॉक में भारी तबाही मचाई है। बारिश के चलते क्षेत्र की कई नदियां और नाले उफान पर आ गए, जिससे गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। प्राकृतिक आपदा का सबसे अधिक असर चेरली और सुरोखी गांवों में देखने को मिला, जहां कुल 23 घर पूरी तरह ढह गए हैं। हादसे में 18 मवेशियों की भी मौत हो गई है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने दोनों गांवों के करीब 80 प्रभावित ग्रामीणों को (शेष पृष्ठ 6 पर...)

जापान से ही सीएम साय ने ली बस्तर बाढ़ की जानकारी

सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावित जिलों बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर में राहत और बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रभावित परिवार को असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी सक्रियता से कार्य करे । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान बस्तर संभाग में आई बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए। सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावित जिलों (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छत्तीसगढ़ में निवेश करेंगी कोरियाई कंपनियां! सीएम साय ने की कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन से मुलाकात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्रिष्णुदेव साय ने गुरुवार को सियोल में दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े व्यापार संगठन कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन (किटा) के चेयरमैन जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट किम की ह्यून से मुलाकात की। 77,000 से अधिक सदस्यों वाला यह संगठन एशिया का अग्रणी व्यापारिक मंच है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024-30, प्राकृतिक संसाधनों और कुशल मानव संसाधन की ताकत पर बल देते हुए निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और स्किलिंग के क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय ने दक्षिण कोरिया प्रवास के दौरान निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए किया आमंत्रित

दक्षिण कोरिया के साथ व्यापारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध

मुख्यमंत्री ने कहा कि दक्षिण कोरिया के साथ हमारे संबंध केवल व्यापारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी हैं। आज के इस संवाद से छत्तीसगढ़ और कोरिया के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग और कौशल विकास के नए द्वार खुलेंगे। इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक उद्योगों में अवसर प्राप्त होंगे और प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार निवेशकों को सुगम वातावरण, त्वरित स्वीकृतियाँ और आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि चढ्ढञ्ज के साथ यह सहयोग छत्तीसगढ़ को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा। बैठक के दौरान किटा के चेयरमैन जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट किम की ह्यून ने भी छत्तीसगढ़ की निवेश-अनुकूल नीतियों और संसाधनों में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोरियाई कंपनियाँ छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पहला कॉलम...

बहुचर्चित पुलिस भर्ती गड़बड़ी पर कार्यवाही

राजनांदगांव। जिले में संचालित पुलिस आरक्षक संवर्ग भर्ती में गड़बड़ी पकड़े जाने के बाद प्रार्थिया श्रीमती तनुप्रिया ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक, अजाक, राजनांदगांव के द्वारा की गई लिखित रिपोर्ट पर थाना लालबाग में अपराध क्रमांक-568/2024 धारा 318 (4), 338, 336(3), 340 (2), 3 (5), 61(2) बी.एन.एस. एवं 66 आई.टी.एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज है। इस मामले में अभी तक कुल 16 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। जिसमें खास कर टाईमिंग टेक्नालाजी इंडिया (प्रा.) लिमि. हैदराबाद कम्पनी के पांच कम्प्यूटर आपरेटर/ लाईका मशीन आपरेटर आरोपियों की गिरफ्तारी करके उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। उक्त प्रकरण की विवेचना जारी है।

राजनांदगांव। जिले के अलावा अन्य जिलों में भी पुलिस भर्ती में गड़बड़ी तो नहीं हुई? इसका पता लगाने बाकी जिलों में पुलिस भर्ती प्रक्रिया में डाटाज् कलेक्शन का काम करने वाले एजेंसियों ने भी विभाग को डाटा उपलब्ध करा दिया है।

कांग्रेस के मंच से पीएम पर अभद्र टिप्पणीः सीएम साय बोले- यह भारत की आत्मा पर चोट

रायपुर। बिहार में राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा में पीएम मोदी और उनकी मां हीराबेन के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। जिसको लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने इस टिप्पणी को भारत की आत्मा पर चोट बताया है। सीएम श्री साय ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि, कांग्रेस और आरजेडी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए की गई अभद्र टिप्पणी केवल एक व्यक्ति पर आघात नहीं है। यह पूरे भारत की आत्मा और संस्कृति पर चोट है। प्रधानमंत्री जी का जीवन हर भारतवासी के लिए प्रेरणा है। एक साधारण परिवार से निकलकर, मां के संघर्षों और संस्कारों से गढ़ा पुत्र आज राष्ट्र सेवा में पूरी निष्ठा से समर्पित है और विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ा रहा है। इसलिए प्रधानमंत्री जी का अपमान वास्तव में 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं का अपमान है। बिहार की जनता निश्चित ही इस तरह की ओछी और नकारात्मक राजनीति को नकारेगी और लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी।

दिल्ली के 20 कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में स्थित जीसस एंड मैरी कॉलेज समेत करीब 20 कॉलेजों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद सभी कॉलेजों में हड़कंप मच गया और प्रशासन ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। धमकी मिलते ही दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की। शुरुआती जांच में पाया गया कि यह धमकी फर्जी है। पुलिस के मुताबिक, ई-मेल भेजने वाले ने अपनी पहचान छिपाने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया था। हालांकि, मामले को लेकर सतर्कता बरती जा रही है और जांच अब भी जारी है। इससे पहले भी दिल्ली के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। हर बार जांच में ये धमकियां फर्जी पाई गई हैं, लेकिन अभी तक पुलिस उन लोगों तक नहीं पहुंच पाई है जो ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं। इससे राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल, पुलिस साइबर क्राइम यूनिट के साथ मिलकर ई-मेल भेजने वाले की तलाश कर रही है।

महाराष्ट्र के पालघर में चार मंजिला इमारत ढही, अब तक 15 की मौत

पालघर/विरार। महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार में सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां रामाबाई अपार्टमेंट नाम की चार मंजिला इमारत का पिछला हिस्सा अचानक गिर गया। इस हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक मां-बेटी की जोड़ी भी शामिल है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जबकि राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है। यह हादसा सुबह करीब 12.05 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि यह इमारत 2012 में बनाई गई थी, लेकिन इसके निर्माण के लिए कोई वैध अनुमति नहीं ली गई थी। वसई-विरार नगर निगम ने पहले ही इसे गैरकानूनी घोषित किया था। हादसे के बाद पुलिस ने इमारत के बिल्डर को हिरासत में ले लिया है। इमारत में कुल 50 फ्लैट थे, जिनमें से 12 फ्लैट उस हिस्से में थे जो ढह गया। हादसे के तुरंत बाद नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की दो टीमें मौके पर पहुंच गईं। शुरू में मलबा हटाने का काम हाथों से किया गया, क्योंकि संकरी गलियों की वजह से भारी मशीनें वहां नहीं पहुंच पा रही थीं।

सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, गुरेज सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

बांदीपोरा। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे गुरेज सेक्टर के नौशेरा में गुरुवार तड़के भारतीय सेना ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकवादियों को मारकर आतंकियों की एक घुसपैठ की कोशिश को नाकाम बना दिया गया। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी जिसमें दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि एलओसी पर नौशेरा सेक्टर में जम्मू कश्मीर पुलिस को एक घुसपैठ का इनपुट बरामद हुआ। इसके बाद सेना के जवानों ने जम्मू कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के जवानों के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान दल को आतंकवादियों की मूवमेंट देखने को मिली और उन्होंने आतंकवादियों को ललकारा लेकिन उन्होंने जवानों के दल पर फायरिंग कर (शेष पृष्ठ 6 पर...)

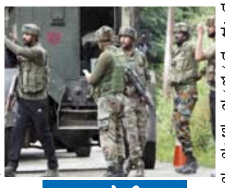

एलओसी पर दो आतंकी ढेर

बिहार में जेडीयू लड़ेगी सर्वाधिक सीटें, एनडीए दलों में बनी सहमति

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से जुड़ा बड़ा अपडेट है। एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग का फार्मूला लगभग तय हो गया है। इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई, लेकिन सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दिल्ली प्रवास के दौरान सीट बंटवारे पर अंतिम सहमति बन गई है।

विधानसभा चुनाव 2025

तय फार्मूल के अनुसार, जनता दल यूनाइटेड इस बार भी सर्वाधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बिहार विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं। इनमें से 203 सीटें जेडीयू-बीजेपी लड़ेंगी जबकि, 40 सीटें अन्य 3 सहयोगी दलों के खाते में जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड 102 और बीजेपी 101 सीटें लड़ेंगी। जबकि, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) यानी LJP (R) 20, जीतन राम मांझी की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और उपेंद्र कुशवाहा के राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 10-10 सीटें दिए जाने का फैसला (शेष पृष्ठ 6 पर...)

जापान रवाना हुए पीएम, कहा- रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी पर होगा फोकस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को जापान और चीन के पांच दिवसीय दौरे रवाना हो गए। पीएम मोदी के दौरे का मुख्य एजेंडा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करना है। अमेरिकी टैरिफ विवाद के बीच हो रही पीएम मोदी की यह यात्रा काफी महत्वपूर्ण समझी जा रही है। पीएम मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे। जहां वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी मुलाकात कई देशों के प्रमुख से होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के निमंत्रण पर मैं 15वें वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए जापान की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा हूं। हम इस यात्रा के दौरान अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के अगले चरण को आकार देने पर ध्यान देंगे। हमारी रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी ने पिछले 11 वर्षों में निरंतर और महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि हम अपने सहयोग को नई ऊंचाई पर पहुंचाने, आर्थिक और निवेश संबंधों के दायरे तथा महत्वाकांक्षाओं का विस्तार करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं सेमीकंडक्टर समेत नई और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग को आगे बढ़ाने का (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कहीं कोई झगड़ा नहीं, केंद्र के साथ संबंधों पर संघ प्रमुख मोहन भागवत बोले- आरएसएस, भाजपा के लिए फैसले नहीं लेता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर समझाया है कि अपने घरों में अपनी भाषा, परंपरा, वेशभूषा और संस्कृति बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि तकनीक और आधुनिकता शिक्षा के विरोधी नहीं हैं। शिक्षा केवल जानकारी नहीं है; यह व्यक्ति को सुसंस्कृत बनाने के बारे में है। नई शिक्षा नीति में पंचकोसीय शिक्षा के प्रावधान शामिल हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) सही दिशा में एक कदम है। संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर आरएसएस द्वारा 100 वर्ष की संघ यात्रा - नए क्षितिज के तहत अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गुरुवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने परिवार को एकजुट करने के तरीके भी बताए। उन्होंने (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मैंने कभी नहीं कहा 75 साल होने पर पद छोड़ देना चाहिए-मोहन भागवत

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने 75 साल की उम्र में रिटायर होने की अटकलों को खारिज कर दिया। संघ की 100 वर्ष की यात्रा नए क्षितिज विषय पर आयोजित कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम दिन सवालों का जवाब देते हुए भागवत ने साफ कहा कि उन्होंने कभी भी 75 साल की उम्र में रिटायर होने की बात कही थी। न उनके खुद के लिए न ही किसी और के लिए। ध्यान देने की बात है कि मोहन भागवत 11 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं। दरअसल उनके एक बयान का हवाला देते हुए 75 साल की उम्र को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए भी जोड़ा जा रहा था। वहीं भागवत ने यह तो स्वीकार किया कि कुछ मुद्दों पर विचार अलग हो सकते है लेकिन भाजपा के साथ मतभेद नहीं है। उनके अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर फैसला खुद भाजपा को लेना है। हालांकि उन्होंने चुटकी भी ली और कहा हम (शेष पृष्ठ 6 पर...)

निर्यातकों की मदद के लिए केंद्र उठा रहा कदम, बढ़े हुए अमेरिकी टैरिफ के बीच सरकार का दावा

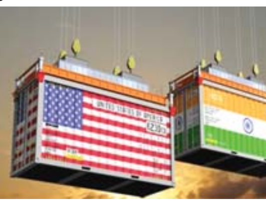

नई दिल्ली। सरकार से जुड़े अमेरिका की ओर से भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू करने के बाद देश के निर्यातकों को होने वाली परेशानियों पर प्रतिक्रिया दी है। एक अधिकारी ने कहा है कि सरकार बढ़े हुए टैरिफ के कारण निर्यातकों के सामने आ रही रही समस्याओं को समझती है और उनकी मदद के लिए सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकारी सूत्र ने कहा कि निर्यात में विविधता लाने से निर्यातकों को लंबे समय में व्यापार की गति बनाए रखने में मदद मिलेगी। निर्यातकों की मदद के लिए सरकार की ओर से निर्यात संवर्धन मिशन को जल्दी से जल्दी लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह प्रतिक्रिया निर्यातकों की ओर से नकदी के मोर्चे पर मदद मांगने के बाद आई है। सूत्रों के अनुसार यह मुद्दा फिलहाल विचाराधीन है। अधिकार के अनुसार, सरकार को उम्मीद है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जल्द ही बातचीत शुरू हो जाएगी, नई तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं। अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव पर वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, यह सर्वविदित है कि 50 प्रतिशत टैरिफ व्यापार को प्रभावित करेंगे। अल्पावधि में कपड़ा, रसायन और मशीनरी क्षेत्रों पर इसका प्रभाव पड़ेगा, लेकिन यह बहुत दीर्घकालिक नुकसान नहीं होगा। उद्योग चिंतित है; वे लगातार अपने ज्ञापन भेज रहे हैं। उद्योग ने बताया है कि अल्पावधि में, उनके ऑर्डर कम हो जाएंगे और उन्हें नकदी की कमी का सामना (शेष पृष्ठ 6 पर...)

जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी; आर-पार के मूड में सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता। बिहार के बाद अन्य राज्यों में गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर सियासी विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। विपक्ष इसे लेकर लगातार मोदी सरकार और चुनाव आयोग का विरोध कर रहा है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने खुले शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की एक रैली को संबोधित करते कहा कि वह किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने देंगी।

कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा की रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने के लिए देश भर से पश्चिम बंगाल में 500 से ज्यादा टीमें तैनात की हैं।

खुद करनी होगी मतदाता सूची की जांच

रैली में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि अब आपको खुद जांच करनी होगी कि आपका नाम अभी भी मतदाता सूची में है या कट गया है। उन्होंने आगे कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को भी लोगों का मताधिकार नहीं छीनने दूंगी।

चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा

सीएम बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने दावा (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मोदी जी ट्रंप के सामने झुकिए मत 100 प्रतिशत टैरिफ लगाइए, हम साथ हैं : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाया गया 50 प्रतिशत टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो गया है. इस टैरिफ को लेकर बवाल मचा हुआ है. इस बीच आप संयोजक अरविंद केजरीवाल मोदी सरकार को घेरा है। केजरीवाल ने कहा, अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ भारत पर लगाया है। हमें भी कपास पर 11 प्रतिशत से 50 प्रतिशत टैरिफ कर देना चाहिए था दूसरों देशों ने यही किया...ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया तो हमें 100त्न टैरिफ लगा देना चाहिए था क्या हम कमजोर देश हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा, ÷पिछले दिनों मोदी जी ने ट्रंप के दबाव में ये निर्णय लिया है कि अमेरिका से जो कपास भारत आता है अभी तक उसमें 11 प्रतिशत ड्यूटी लगती थी लेकिन अब ये 11 प्रतिशत ड्यूटी हटा दी गई है और अब अमेरिका से आने वाली कपास पर कोई ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

भारत और कनाडा ने नियुक्त किए उच्चायुक्त, दिनेश पटनायक व क्रिस्टोफर कूटर पर बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने वरिष्ठ राजनयिक दिनेश के. पटनायक को कनाडा में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया है। वे 1990 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी हैं और इस समय स्पेन में भारत के राजदूत के तौर पर कार्यरत हैं। जानकारी के मुताबिक वे बहुत जल्द ही अपना नया कार्यभार संभालेंगे। वहीं कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद ने आज घोषणा की कि क्रिस्टोफर कूटर को भारत में कनाडा का नया हाई कमिश्नर नियुक्त किया गया है। यह पद इससे पहले कैमरन मैके के पास था। यह नियुक्ति पिछले साल जून में जी-7 सम्मेलन के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई सहमति के बाद की गई है। दोनों देशों ने वादा किया था कि वे नए हाई कमिश्नरों की नियुक्ति कर आपसी रिश्तों को आगे बढ़ाएंगे। हाल के दिनों में भारत और कनाडा के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। खालिस्तानी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

CMYK

पहला कॉलम...

आज मेजर ध्यानचंद जयंती में सांसद व महापौर होंगे शामिल

राजनांदगांव (दावा)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ हॉकी, जिला हॉकी संघ, साई व समस्त खेल संघ के संयुक्त तत्वाधान में हॉकी के जादूगर स्व.मेजर ध्यानचंद जी की जयंती खेल दिवस के रूप में नगर के खेल प्रेमियों द्वारा उत्साहपूर्वक मनाई जायेगी। कार्यक्रम में सांसद संतोष पांडे मुख्य अतिथि तथा महापौर मधुसूदन यादव अध्यक्ष के रूप उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर तीन दिवसीय आयोजन अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में किया जायेगा। जिसका 29 अगस्त को प्रातः उद्धाघाटन होगा व 31 अगस्त को इसका समापन किया जायेगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ए एक्का तथा छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि प्रतियोगिता के पूर्व सुबह 7.30 बजे अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम से समस्त खेल के खिलाड़ियों द्वारा ध्यानचंद स्मारक तक रैली निकाली जाएगी, वहां स्व मेजर ध्यानचंद, सहित स्व. एयरमैन आर.बेस्टीयन (ओलांपियन) एवं स्व. आर.एन.पटेल को माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर संगोष्ठी सभा के साथ उन्हे श्रद्धाजंलि दी जायेगी। इसके पश्चात हॉकी स्टेडियम में प्रतियोगिता आयोजित होगी, श्री एक्का, श्री अंसारी एवं जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता ने जयंती अवसर पर आयोजित उक्त सभी कार्यक्रमों में खेल प्रेमी जनता से उपास्थिति की अपील कि है।

कल सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता

राजनांदगांव (दावा)। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन 30 अगस्त को सुबह 11 बजे से डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर राजनांदगांव में किया गया है। विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिमा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दल जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दल संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आने वाले दल को 7000 रूपए, द्वितीय स्थान आने वाले दल को 5000 रूपए, तृतीय स्थान आने वाले दल को 5000 रूपए, सांत्वना पुरस्कार पांच प्रतिभागियों को 2000 रूपए पुरस्कार दिया जाएगा।

पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं से 19 सितंबर तक ऑनलाईन रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित

राजनांदगांव (दावा)। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित प्रयास आवासीय विद्यालय राजनांदगांव के कक्षा 9वीं, 10वीं 11वीं एवं 12वीं में अध्यापन सह कोचिंग कार्य हेतु फैकल्टी की व्यवस्था के लिए पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं से 19 सितंबर तक ऑनलाईन रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई है। साथ ही समस्त आवश्यक दस्तावेज को 19 सितंबर को शाम 5 बजे के पूर्व कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास राजनांदगांव में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। प्राप्त प्रस्ताव को 22 सितंबर को समिति के समक्ष खोला जाएगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है।

अवरेठी में उप स्टेशन बनाने का प्रस्ताव

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा इस समय भाटापारा सहित अन्य स्टेशनों के विकास का काम किया जा रहा है। इसके साथ ही रायगढ़ से आगे रेल लाइन का चौड़ीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। इधर भाटापारा का रेलवे स्टेशन बढ़ाया जाएगा। बढ़ते यातायात और यात्रियों की संख्या देखते हुए ग्राम अवरेठी में उप स्टेशन बनाए जाने का प्रस्ताव है। भाटापारा तहसीलदार द्वारा इस संबंध में एक ईश्तहार जारी किया गया है, जिसके अनुसार बिलासपुर के दक्षिण मध्यपूर्व रेलवे ने ग्राम अवरेठी तहसील भाटापारा में शासकीय भूमि खसरा नंबर 97/2 रकबा 3.387 की मांग है। तहसीलदार द्वारा जारी ईश्तहार के द्वारा आवेदन पत्र के खसरा, नक्शा, पंचशाला एवं अन्य दस्तावेज की छायाप्रति संलग्न किया गया है।

बाजार में खड़ी एक्टिवा पार

रायपुर। तरूण बाजार गेट के पास खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमित सिंह कमल विहार सेक्टर 4 टिकरापारा का रहने वाला है। प्रार्थी ने टिकरापारा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमडी 8634 को संतोषीनगर तरूण बाजार गेट के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

क्षेत्र में गौवंशों की हो रही है दुर्गति, अपने ही पशुओं से दूर हो रहे हैं पशुपालक, 16 गौवंशों को छोड़ा थाना परिसर में

डोंगरगांव (दावा)। नगर सहित क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में गौवंशों की काफी दुर्गति हो रही है। क्षेत्र की गौशालाओं को हमेशा जहां फूल बताया जाता है। वहीं चारों ओर धान का फसल लगने की वजह से किसी ग्राम में गौवंशों को पनाह नहीं मिल पा रहा है। ऐसा नहीं है कि क्षेत्र में शासकीय जमीनों, जंगल या चारागाह की कमी है। बल्कि सरकार द्वारा सही प्रबंधन और व्यवस्था दिए जाने से सभी गौवंशों को सही ढ़ंग से पालन पोषण किया जा सकता है। इसके पूर्व सरकार द्वारा गौठानों का निर्माण प्रारंभ कराया गया था, किन्तु इसे भी सही प्रबंधन नहीं होने के चलते प्रारंभिक दौर में ही पूरी तरह फ्लॉप शो बनकर रह गया। इधर ग्रामीण क्षेत्रों में एक ग्राम की गौवंशों को दूसरे ग्राम के सरहद में छोड़ने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है और यह अब बढ़ते क्रम में है। हॉलाकि डोंगरगांव पुलिस स्टेट हाइवे में विचरण करती गायों को हटाने का उपक्रम प्रारंभ किया था और एक-दो पशु पालकों के खिलाफ एफआईआर की औपचारिकता की गई थी और अब यही कार्य स्थानीय पुलिस के सिर दर्द बनने जा रहा है। अब परेशान ग्रामीणों को लगने लगा है कि आवारा पशुओं से अब पुलिस ही निजात दिला सकती है और इसी आशा के साथ गुरूवार 28 अगस्त को प्रातः ग्राम अछोली के ग्रामीण चार वाहनों में 16 मवेशी भरकर डोंगरगांव थाना परिसर पहुंचे और संबंधित गौ पालकों के खिलाफ

मामला दर्ज करने की जिद करने लगे।

अछोली के ग्रामीणों ने थाना परिसर में छोड़ा गौवंशों को

डोंगरगांव थाना परिसर में सैकड़ों ग्रामीण 16 मवेशियों के साथ सुबह धमक दी और खेतों में लगे धान के फसल को नुकसान पहुंचाने का हवाला देकर संबंधित मवेशी मालिकों का पता लगाकर मामला दर्ज करने की बात कहने लगे और थाना स्टॉफ के मना करने के बावजूद सभी गौवंशों को थाना परिसर में वाहनों से उतार दिया गया। इधर थाना प्रभारी के पहुंचने के बाद ग्रामीणों के साथ बैठक ली गई और एक टैग लगी गाय के मालिक पर एफआईआर दर्ज करने की बात की गई। वहीं अन्य गौवंशों के लिए सीईओ छुरिया और एसडीएम डोंगरगांव से ग्रामीणों की लंबी चर्चा हुई। जिसमें शीघ्र ही इस समस्या का हल निकालने की सहमति बनी।

घुघवा साल्हे के ग्रामीणों का 10 दिनों का अल्टीमेटम

वहीं इसी समय ग्राम घुघवा साल्हे के ग्रामीण भी गौवंशों से परेशान होकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे और अपनी पीड़ा बताते हुए 10 दिनों के भीतर यथोचित कार्यावाही करने की बात कही और उचित कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में किसानों द्वारा सभी आवारा पशुओं को कार्यालय परिसर में छोड़ने की चेतावनी का आवेदन दिया गया है। चूंकि अब धान के फसल में बीज बनने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है और इस समय फसलों को चरने से सीधा नुकसान है। ऐसे में ग्रामीणों की चिंता भी जायज है और अन्य ग्रामों के गौवंशों को सरहद पर छोड़ जाना व लगातार फसल नुकसान से किसान परेशान हो चुके हैं।

राज्यपाल व उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में सहकार भारती का राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन हुआ संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। गत दिनों सहकार भारती का दो दिवसीय राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन रायपुर में संपन्न हुआ। अधिवेशन में देशभर से आए बुनकर प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए हथकरघा और हस्तशिल्प में बढ़ते मशीनों के उपयोग, बुनकरों की घटती संख्या तथा सरकारी अनुदान में कमी सहित अनेक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। अधिवेशन में देश के 17 राज्यों के बुनकर प्रतिनिधि शामिल हुए।

उक्त अधिवेशन में अपने विचार साझा करते हुए भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शशिकांत द्विवेदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ का कोसा देशभर में प्रसिद्ध है। कोसा के उत्पादन को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है। वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ में बुनकरों की स्थिति अच्छी नहीं है। उन्हें सशक्त करने की जरूरत है तथा पूर्व की भांति शासन द्वारा जो स्कूलों में गणवेश की सप्लाई करने तथा छात्रावासों में कंबल और चादर की आपूर्ति करने के लिएआदेश दिए जाते थे। उसे पुनःप्रारंभ करने की जरूरत है। श्री द्विवेदी ने बताया कि बुनकर सोसायटियों में महिलाओं की भागीदारी बहुत रहती है। निश्चित रूप से बुनकर व्यवसाय को आगे बढ़ाने से महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनेगी।

रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से जल, वायु, मिट्टी, प्रदूषित हो रहा है - द्विवेदी

सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री द्विवेदी ने विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्था

बुनकर व्यवसाय को आगे बढ़ाने से महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनेंगी - द्विवेदी

इफको द्वारा लांच की गई नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के बारे में भी जानकारी देते हुए बताया कि आज जब रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से जल, वायु, मिट्टी, प्रदूषित हो रहा है। ऐसी स्थिति में नैनो उर्वरक का उपयोग करना आज की महती आवश्यकता है। नैनो उर्वरक के उपयोग से जहां किसानों को फसल की लागत में कमी आएगी। परिवहन व भंडारण में बचत होगी। वहीं पैदावार में भी बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही रासायनिक उर्वरकों की सब्सिडी में भी लाखों करोड़ों रुपए की बचत होगी।

श्री द्विवेदी ने देशभर से आए प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि नैनो उर्वरकों का भी उपयोग ज्यादा से ज्यादा करें। जिससे मृदा व वायु प्रदूषण और धरती का जल, जो दिनों दिन प्रदूषित हो रहा है, उसे बचाया जा सके। श्री द्विवेदी ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा अनावरण किए गए राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह नीति सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस नीति के केंद्र बिंदु में देश के 140 करोड़ लोग कृषि, ग्रामीण महिलाएं, दलित और आदिवासियों के उत्थान पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय सहकारिता नीति के तहत पर्यटन, सहकार टैक्सी, इंश्योरेंस और हरित एनर्जी जैसे क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों के बनाए जाने का काम शुरू हो गया है। भारत का सहकारी क्षेत्र इस साल के अंत तक भारत ब्रांड के तहत सहकार टैक्सी सेवा शुरू कर ओला और उबर जैसी दिग्गज कंपनियों को चुनौती देने को तैयार हैं। श्री द्विवेदी ने बताया कि सहकार टैक्सी का मुख्य उद्देश्य ड्राइवरों को बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करना, यात्रियों को सुगम गुणवत्तापूर्ण, किफायती और सुरक्षित सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस प्रकार नई सहकारिता नीति का विजन है कि सहकारिता के माध्यम से समृद्धि लाकर 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है। दो दिवसीय अधिवेशन में देशभर से आए बुनकरों से चर्चा और मंथन उपरांत उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु सर्वसम्मति से 13 प्रस्ताव पारित किए गए। जिसे भारत सरकार को भेजा जाएगा। उक्त अधिवेशन में प्रमुख रूप से महामहिम राज्यपाल रमेन डेका, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन सहित सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदय जोशी, महामंत्री दीपक चौरसिया, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चंद्रवंशी, महामंत्री कनीराम आदि ने भी अपने विचार साझा किए।

ओवर टेक करने की बात को लेकर आरोपी द्वारा तलवार से वार कर प्रार्थी को पहुंचाया चोट

- फरार आरोपी को थाना बसंतपुर मे गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक अभिरक्षा में
- आरोपी का जेल वारंट प्राप्त होने बाद किया जिला जेल राजनांदगांव दाखिल

राजनांदगांव (दावा)। प्रार्थी द्वारा दिनांक 18 अगस्त को रिपोर्ट दर्ज कराया कि 17 अगस्त की रात्रि 10:30 बजे होटल अवाना के पास गाडी ओवर टेक करने के नाम पर मिथलेश पाण्डया व राहुल गनवीर इसे अश्लील गाली गुप्तार कर जान से खतम करने की धमकी देते हुए हाथ मुक्का से मारपीट कर अपने पास रखे धारदार हथियार से इस पर वार किया।

जिससे इसके चेहरे में दाहिने हिस्से में चोट लगा तथा बीच बचाव करने आया इसका भाई के बाये हाथ में चोट लगा है। रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 361/2025 धारा 296, 351(2), 115(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया जाकर आरोपी मिथलेश पाण्ड्या को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में पेश किया गया तथा फरार आरोपी रोहन गणनीर की पतासाजी की जा रही थी तथा फरार आरोपी रोहण गनवीर को आज दिनांक 28 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष पेश किया गया।

'एक भारतीय आत्मा' के नाम से मशहूर माखनलाल ने वर्ष 1922 में बिलासपुर जेल में लिखी थी 'पुष्प की अभिलाषा'

रायपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध कवि स्वर्गीय श्री माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित कालजयी कविता 'पुष्प की अभिलाषा' का आज केन्द्रीय जेल बिलासपुर में सामूहिक पाठ किया गया। स्वर्गीय श्री चतुर्वेदी ने बिलासपुर केन्द्रीय जेल में निरूद्ध रहने के दौरान 18 फरवरी 1922 को इस देशभक्तिपूर्ण काव्य की रचना की थी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में कैदियों ने इसका सामूहिक पाठ किया। केन्द्रीय जेल प्रशासन द्वारा एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र समूह के सहयोग से इस प्रेरणादायी कविता पाठ समारोह का आयोजन किया गया था। विधायक श्री सुशांत शुक्ला, वरिष्ठ साहित्यकार श्री सतीश जायसवाल तथा संपादक

उप मुख्यमंत्री अरुण साव कविता पाठ समारोह में हुए शामिल, कहा कविता से देश और समाज के लिए काम करने की मिलती है प्रेरणा

एवं कवि श्री देवेन्द्र कुमार सहित जेल प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कैदी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समारोह में 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से मशहूर साहित्यकार स्वर्गीय श्री माखनलाल चतुर्वेदी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के इस ऐतिहासिक जेल में देशभक्त साहित्यकार श्री माखनलाल चतुर्वेदी के प्रति श्रद्धा एवं आदरभाव व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए हैं। देश के लिए बलिदान का क्या महत्व है, इस कालजयी रचना के जरिए बताया गया है। उन्होंने कहा कि एक फूल की इच्छा है कि वह सम्राट अथवा देवता के सिर पर नहीं, बल्कि उस मार्ग में सेनानियों के पैरों तले कुचला जाना मंजूर करता है जिस पथ से होकर सेनानी देश को आजाद करने की लड़ाई में आगे बढ़ें। यह देश के लिए महती त्याग और बलिदान की भावना है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री चतुर्वेदी की आजादी की लड़ाई में बड़ी भूमिका थी। देशभक्ति की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी थी। वे 5 जुलाई 1921 से 1 मार्च 1922 तक सात माह 27 दिन इस जेल में निरूद्ध रहे। इसी जेल में रहकर उन्होंने 18 फरवरी 2022 को यह कालजयी रचना सेनानियों को सौंपी थी। बिलासपुर के साथ ही संपूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए यह कविता बड़ी धरोहर है। इससे हम सबको अच्छा काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

श्री साव ने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी प्रकाण्ड विद्वान और देशभक्त थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार राजनांदगांव 1
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ: जिला राजनांदगांव तहसील-राजनांदगांव प.ह.नं.-00056 खुटेरी ग्राम
नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD 202425420512300006

ईश्तहार

तहसील राजनांदगांव के प.ह.नं. 00056 के अंतर्गत ग्राम खुटेरी के वर्तमान भू-स्वामी मनजीत सिंह पिता सर. भगत सिंह सलूजा पता-राजनांदगांव के द्वारा भूमि खसरा क्रमांक 442/1(0.2150), 442/3(0.7940), 442/4(0.2020) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता सुनील कुमार मुंदड़ा पिता दामोदर दास मुंदड़ा पता रामाधीन मार्ग तहसील व जिला राजनांदगांव के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 22/09/2025 को समय स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार राजनांदगांव 1 पर की जावेगी उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपनी आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण की सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/08/2025 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
राजस्व निरीक्षक मंडल

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं बतुल हुसैन कालॉलवाला पति हुसैन कालॉलवाला, BATUL HUSSAIN KALOLWALA W/O HUSAIN KALOLWALA निवासी-हाउस नम्बर 85, वार्ड नम्बर 26 गुड़ाखू लाईन बोहरा गली, राजनांदगांव छत्तीसगढ़ 491441 (HOUSE NUMBER 85, WARD NUMBER 26, GUDAKHU LINE, BOHRA GALI, RAJNANDGAON (C.G) 491441 शपथ करती हूँ कि, मैंने अपना यह पूराने नाम को त्याग कर नया नाम बतुल कालॉलवाला पति हुसैन कालॉलवाला, BATUL KALOLWALA W/O HUSAIN KALOLWALA रख ली हूँ। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय/अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम बतुल कालॉलवाला पति हुसैन कालॉलवाला, BATUL KALOLWALA W/O HUSAIN KALOLWALA से ही जाना व पहचाना जायें।

शपथकर्ती
बतुल कालॉलवाला
BATUL KALOLWALA -
हाउस नम्बर 85, वार्ड नम्बर 26 गुड़ाखू लाईन बोहरा गली, राजनांदगांव छत्तीसगढ़ 491441

शुभांक

अनुमानित

बी. के.
2-4-7
488-0 339-5
राजधानी
3-5-9
250-7 347-4

चेतावनी:-इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

बाल रत्न मंच सेवा समिति गणेशोत्सव पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

- धार्मिक सामान्य ज्ञान मौखिक प्रतियोगिताएं, विभिन्न पुरस्कारों का वितरण
- 15 फीट भव्य आकर्षक राजाधिराज गणेश प्रतिमा

राजनांदगांव (दावा)। बाल रत्न मंच सेवा समिति के मुख्य प्रचार प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि संस्कारधानी राजनांदगांव में आनंद-उमंग गणपति महोत्सव हर्षोल्लास के साथ 10 दिवसीय आयोजन सेवा में निरंतर 32 वर्षों से छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी में बाल रत्न मंच सेवा समिति रामाधीन मार्ग द्वारा किया जा रहा है। सनातन संस्कृति के अनुरूप में 15 फीट भव्य आकर्षक राजाधिराज गणेश प्रतिमा की स्थापना की गई है पंडाल परिसर नव्य भव्य आकर्षक हरियाली, झूमर, विद्युत झालर से ओत-प्रोत राजाधिराज गणपति का दरबार सजाया गया है सनातन संस्कृति के संस्कारों पर आधारित सनातन की प्रेरणा शिक्षा प्रदान करते हुए बाल रत्न मंच सेवा समिति रामाधीन मार्ग राजनांदगांव में गणपति सेवा में समर्पित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी प्रशांत कुशवाहा, श्रेयांश जोशी एवं पंडाल प्रभारी सतपाल वातवानी के कुशल नेतृत्व में भाद्रपद शुक्ल दशमी, दिनांक 02 सितंबर 2025, मंगलवार, समय संध्या 6 बजे से आयोजन समिति के अध्यक्ष रोहित शर्मा के कुशल नेतृत्व में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम गणेशोत्वस पंडाल परिसर में आयोजित किया जा रहा है। गायन प्रतियोगिता धार्मिक एवं देशभक्ति, नृत्य प्रतियोगिता, धार्मिक एवं देशभक्ति वेशभूषा प्रतियोगिता (फैंसी ड्रेस), क्ले आर्ट में भगवान गणपति की मूर्ति बच्चों एवं महिला व पुरूष सभी उम्र के सभी वर्गों के प्रतिभागियों के लिये, प्रति प्रतियोगिता शुल्क 30/- रूपये रहेगी। कार्यकारिणी वरिष्ठ सदस्य गोविंद जोशी, निलेश शर्मा ने कहा कि, प्रतियोगिता में संपर्क हेतु 98274 97252, 7747817127 सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेहा गुप्ता (स्थायी लोक अदालत सदस्य दुर्ग संभाग), अल्का सुरजन (समाज सेविका), सुषमा सुरजन (समाजसेविका) द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार एवं सांत्वाना पुरस्कार प्रदान करते हुए पुरस्कृत किये जायेंगे। गणेश उत्सव आयोजन समिति सचिव चैतन्य अग्रवाल ने संस्था परिवार की ओर से बच्चों, महिला एवं पुरुष वर्ग से अधिक से अधिक प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होने का आग्रह किया है। उपरोक्त जानकारी प्रचार-प्रचार प्रमुख महेश शर्मा एवं आयुष शर्मा, हर्ष अग्रवाल ने दी।

राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में चलाया जाएगा शिशु संरक्षण माह

बालोद। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेएल उइके के निर्देशन में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम अन्तर्गत शिशु संरक्षण माह 29 अगस्त से 30 सितंबर 2025 तक मनाया जाएगा। इस दौरान जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाई जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जेके सिंह ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान सत्र का आयोजन मंगलवार और शुक्रवार को किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले अभियान को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी प्रारंभ कर दी है। सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में सुबह 09 बजे से शाम 04 बजे तक ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बच्चों को विटामिन ए सिरप, आयरन सिरप, बच्चों का वजन तथा आंगनबाड़ी स्थित सत्रों में संपूरक पोषण आहार की सेवाओं का हितग्राहियों की पात्रता और पोषण तत्वों की आवश्यकता के अनुरूप उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही अति गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित कर पोषण पुनर्वास केन्द्रों में पोषण आहार की प्रदायगी समेत संक्रमण के उपचार के लिए तत्काल व्यवस्था किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में 1994 टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिले में 09 माह से 05 वर्ष के कुल लक्षित 77291 बच्चों को विटामिन ए एवं 06 माह से 05 वर्ष के कुल लक्षित 81 हजार 838 बच्चों को आयरन सिरप की दवा एक एमएल सप्ताह में दो बार दी जाएगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अन्य विभागों के समन्वय से इस अभियान को सफल बनाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के 25 साल बेमिसाल: लोककला, नृत्य और साहित्य जैसे परंपरागत उत्सवों को मिली वैश्विक स्तर पर पहचान

रायपुर (दावा)। राज्य निर्माण के बाद से छत्तीसगढ़ ने केवल आर्थिक और औद्योगिक प्रगति ही नहीं की, बल्कि अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। छत्तीसगढ़ ने न केवल आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में प्रगति की, बल्कि अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित और प्रोत्साहित करने में उल्लेखनीय कार्य किया। बीते पच्चीस वर्षों में लोककला, नृत्य, साहित्य, शिल्प और परंपरागत उत्सवों के संरक्षण व संवर्धन ने इस प्रदेश को सांस्कृतिक मानचित्र पर विशेष स्थान दिलाया है।

छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति उसकी आत्मा कही जाती है। यहां का पंथी नृत्य, राऊत नाचा, करमा, सुआ और ददरिया गीत देश-विदेश में लोकप्रिय हुए। नाचा और पंडवानी जैसी लोककला शैलियों को राष्ट्रीय मंच मिला। पंडवानी की प्रतिनिधि तीजन बाई को पद्मभूषण और पद्मश्री जैसे सम्मान मिलने से यह कला विश्व पटल पर चमकी।

राज्य गठन के बाद प्रतिवर्ष एक नवंबर को आयोजित राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की संस्कृति का सबसे बड़ा उत्सव बन गया है। इसमें देश-विदेश के कलाकार भाग लेकर अपनी प्रस्तुतियों से राज्य की गरिमा बढ़ाते हैं। बस्तर दशहरा, सिरपुर महोत्सव और राजिम कुंभ जैसे पारंपरिक पर्वों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित किया गया। राजिम कुंभ को छत्तीसगढ़ का प्रयाग के रूप में पहचान मिली। राज्योत्सव ने छत्तीसगढ़ को एक बड़े सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित किया। वहीं बस्तर दशहरा, राजिम कुंभ और सिरपुर महोत्सव जैसे उत्सवों ने देश-विदेश से पर्यटकों और कलाकारों को आकर्षित किया।

25 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर की कई शैक्षणिक संस्थाएं हुई स्थापित- सीएम

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर की कई शैक्षणिक संस्थाएं स्थापित हुई हैं। आईआईटी, आईआईएम, एम्स के साथ-साथ 10 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। प्रदेश के बच्चों का गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा का सपना अब साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से भरपूर और औद्योगिक विकास की असीम संभावनाओं वाला प्रदेश है। नई औद्योगिक नीति के परिणामस्वरूप महज़ डेढ़ वर्ष में ही 6.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस औद्योगिक नीति में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। आने वाले वर्षों में युवाओं को प्रदेश में ही कौशल अनुरूप रोजगार मिलेगा और उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

पिछले वर्षों में सिरपुर, बारसूर, भोरमदेव, रतनपुर और मालखरौदा जैसे पुरातात्विक स्थलों का संरक्षण किया गया। इन्हें राष्ट्रीय धरोहर के रूप में विकसित करने के साथ पर्यटन से भी जोड़ा गया। सिरपुर महोत्सव में देश-विदेश से कलाकारों और पर्यटकों की भागीदारी ने इस क्षेत्र को वैश्विक नक्शे पर चमकाया। सिरपुर, बारसूर, भोरमदेव और रतनपुर जैसे पुरातात्त्विक स्थलों का संरक्षण कर उन्हें पर्यटन से जोड़ा गया। इन स्थलों पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने विरासत को जीवंत बनाया और छत्तीसगढ़ को सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र बनाने में मदद की। छत्तीसगढ़ के शिल्पकारों की ढोकरा कला, टेराकोटा, लोहा शिल्प और कोसा सिल्क को देश-विदेश की प्रदर्शनियों तक पहुँचाया गया। कोसा सिल्क और बस्तर की धातु कला को पहचान दिलाने के लिए जीआई टैग और निर्यात योजनाओं पर काम हुआ। आज यह शिल्प भारत की सांस्कृतिक धरोहर का गौरव माने जाते हैं। कला-संस्कृति के शैक्षणिक विकास के लिए इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ और अन्य संस्थानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोक कलाकारों और साहित्यकारों को सरकारी पेंशन, सम्मान और मंच देकर उनकी परंपराओं को जीवित रखा गया। छत्तीसगढ़ी साहित्य को बढ़ावा मिला और छत्तीसगढ़ी सिनेमा ने भी अपनी अलग पहचान बनाई।

राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित होंगी दो शिक्षिकाएं: केवरा सेन और सुनीता राजपूत को गवर्नर करेंगे पुरष्कृत

रायपुर (दावा)। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर के दिन के छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम रमेन डेका के द्वारा प्रत्येक जिले से दो उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इनमें बेमेतरा जिले से भी दो शिक्षिकाओं के नाम शामिल है। जिसमें बेरला विकास खंड के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कंडरका में कार्यरत नवाचारी शिक्षिका केवरा सेन और शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कंतेली विकासखंड बेमेतरा की नवाचारी शिक्षिका सुनीता राजपूत के नाम शामिल है। इन्हें इस वर्ष राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त होगा।

नवाचारी शिक्षिका केवरा सेन व सुनीता राजपूत के नाम की घोषणा के साथ ही जिला, विकासखंड के साथ- साथ समूचे अंचल में भी हर्ष और खुशी की लहर दौड़ गई। साथ ही उनके परिवार भी गौरवान्वित हो रहे हैं। नवाचारी शिक्षिका केवरा सेन छत्तीसगढ़ की अकेली शिक्षिका हैं जिन्होंने पहले स्वयं जापानी भाषा सीखी और उसके पश्चात अब अपने विद्यालय के बच्चों को जापानी भाषा सीखा रही है एवं अन्तर राज्यीय महाराष्ट्र के बच्चों के साथ ऑनलाइन वार्तालाप भी करती है। उनके द्वारा लिखी पुस्तक बेसिक जापानी भाषा का विमोचन महाराष्ट्र के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम रमेश बैस किया था। उनकी लिखी हुई इस किताब के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य के साथ साथ महाराष्ट्र के बच्चे भी जापानी भाषा सीख रहे हैं। उनके विद्यालय के बच्चे अब स्पोकन इंग्लिश भी समूह में सीख रहे हैं।

विद्यालय में बच्चों के लिए खोले बचत बैंक

नवाचारी शिक्षा केवरा सेन अपने बच्चों तथा आसपास के बच्चों को NMMSE एवं प्रयास के नियमित प्रैक्टिस कराती है। वे अपने विद्यालय में बच्चों के लिए बचत बैंक भी खोले हैं। जिसमें बच्चे स्वयं के व्यय के लिए मिले हुए पैसे को शाला स्तर पर केवरा सेन एक गल्ले के माध्यम से सबका अपना अपना एकत्रित करवाती है। लगातार तीन साल तक बच्चे जमा करते हैं। उसके पश्चात् बच्चें उस पैसे का सदुपयोग आगे की कक्षाओं या जरूरत के हिसाब से करते हैं। विद्यालय में औषधि उद्यान है जिनका संचालन व रखरखाव शिक्षिका केवरा सेन एवं ईको क्लब के बच्चों द्वारा किया जाता है तथा औषधि उद्यान एवं उनके गुणों के बारे में भी केवरा सेन ने पुस्तक लिखी है। उनके कार्यो को देखते हुए उन्हें अनेकों पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हो चुके है।

मौखिक स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम

राजनांदगाँव (दावा)। राजनांदगाँव शाखा द्वारा दिनांक 28 अगस्त 2025 को गायत्री विद्यापीठ स्कूल, केसर नगर, राजनांदगाँव में एक ओरल हाइजीन अवेयरनेस प्रोग्राम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर गणेश वंदना से हुई , यह कार्यक्रम सुबह 9:00 बजे से 11:00 बजे तक चला। इस प्रोग्राम में हमारे डेडिकेटेड वॉलेंटियर्स ने सक्रिय सहयोग दिया और विद्यार्थियों को ओरल हाइजीन के महत्व पर जागरूक किया बच्चों को बताया गया कि दैनिक जीवन में दाँतों और मुँह की सफाई क्यों ज़रूरी है, दाँतों की ब्रशिंग और फ्लॉसिंग की सही विधि, बैलेंस्ड डाइट का ओरल हेल्थ पर प्रभाव, सामान्य दंत समस्याएँ जैसे कैविटी और गम डिज़ीज़ व उनसे बचाव के उपाय. सत्र को रोचक और प्रभावी बनाने हेतु डेमोन्स्ट्रेशन, सरल व्याख्या और प्रश्नोत्तर सत्र का उपयोग किया गया। बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया, प्रश्न पूछे और प्रतिदिन सही तरीके से ब्रश करने व अच्छी ओरल केयर हैबिट्स को अपनाने का संकल्प लिया।

इंडियन डेंटल एसोसिएशन

विशेष रूप से, डॉ. अनिरुद्ध गांधी ने बतौर स्पीकर उपस्थित होकर विद्यार्थियों को डेंटिस्ट्री विषय पर प्रेरणादायक तरीके से ज्ञान दिया, जिससे बच्चों में दंत स्वास्थ्य के प्रति दीर्घकालिक सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ।

इस अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन, राजनांदगाँव शाखा की प्रेसिडेंट डॉ. मनुप्रीत कौर, सेक्रेटरी डॉ. नूपुर सरकार, स्पीकर डॉ. अनिरुद्ध गांधी, कोषाध्यक्ष डॉ. नितेश जैन, मीडिया रिप्रेज़ेन्टेटिव डॉ. जय टांक तथा सभी आई.डी.ए. मेंबर्स का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया गया।

उपस्थित सदस्यों की प्रेरणादायी उपस्थिति और वॉलेंटियरिंग स्पिरिट से यह प्रोग्राम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह पहल न केवल विद्यार्थियों को बल्कि उनके परिवार और समाज को भी ओरल हेल्थ के महत्व को समझने और जागरूकता फैलाने हेतु प्रेरित करने में मील का पत्थर साबित हुई।

थानेदार सस्पेंड: तीजा के दिन तिजहारिनों से अवैध वसूली का आरोप, एसपी ने लिया एक्शन

बिलासपुर(दावा)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में तिजाहीन बहनों से अवैध वसूली का मामला सामने आया था। तीजा पर्व में वाहनों की चेकिंग के दौरान तिजाहीन बहनों से वसूली का आरोप टीआई पर लगा था। जिसके बाद एसएसपी ने हिर्री थाना प्रभारी अवनीश पासवान को सस्पेंड कर दिया है। भोजपुरी टोल प्लाजा के पास चल वाहन चेकिंग रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार, एसएसपी ने हाल ही में सभी थाना और चौकी प्रभारियों की बैठक बुलाई थी। इसमें 20 अगस्त की रात 10.30 बजे स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वाहन चेकिंग जरूर की जाए, लेकिन उसमें विवेक और संवेदनशीलता का इस्तेमाल हो। खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और परिवार वालों को बेवजह रोकने या परेशान करने से बचने के निर्देश दिए गए थे।

निर्देशों के बावजूद हिर्री पुलिसकर्मी टोल प्लाजा के पास महिलाओं और परिवार वालों को जांच कर रहे थे। स्थानीय लोग भी पुलिस की इस हरकत से नाराज हुए। शिकायतकर्ताओं ने सीधे डिप्टी सीएम और एसएसपी तक बात पहुँचाई। शिकायत के साथ-साथ इसकी तस्वीरें भी अखबारों और सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इसी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने मामले की समीक्षा की और पाया कि आदेश का पालन नहीं किया गया है। इसके बाद हिर्री टीआई अवनीश पासवान को तुरंत लाइन अटैच कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षकों की बैठक में यह भी कहा गया था कि, तीज- त्योहार जैसे धार्मिक अवसरों पर महिलाएं और परिवारजन बड़ी संख्या में अपने रिश्तेदारों के साथ आना-जाना करते हैं। ऐसे में वाहन चेकिंग के नाम पर उन्हें अनावश्यक रूप से रोकना और परेशान करना सामाजिक माहौल बिगाड़ सकता है। एसएसपी ने इस पूरे मामले को गंभीर लापरवाही मानते हुए साफ कहा कि आने वाले समय में अगर कोई भी थाना प्रभारी या पुलिसकर्मी ऐसे आदेशों की अवहेलना करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निलंबन की अवधि में टीआई अवनीश पासवान को नियमों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। हालांकि, उनकी सेवाएं अब रक्षित केंद्र, बिलासपुर से संबद्ध रहेंगी।

राज्य स्तरीय शालेय तीरंदाजी स्पर्धा में 13 खिलाड़ी साधेंगे निशाना

राजनांदगांव(दावा)। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय तीरंदाजी स्पर्धा कोंडागांव में 28 से 31 अगस्त तक आयोजित है। उक्त राज्य स्तरीय स्पर्धा में भाग लेने दुर्ग जोन का प्रतिनिधित्व करते हुए शहीद पूर्णानंद साहू शासकीय उ.मा. शाला जंगलपुर संकुल केन्द्र में संस्कारधानी तीरंदाजी संघ जिला राजनांदगांव के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 13 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विदित हो कि दुर्ग संभाग स्तरीय शालेय तीरंदाजी स्पर्धा का आयोजन स्थानीय गायत्री विद्यापीठ में हुआ। उक्त स्पर्धा में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान सुरक्षित कर लिया है।

0 25वीं राज्य स्तरीय शालेय तीरंदाजी प्रतियोगिता प्रारंभ
0 जंगलपुर संकुल क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ी कोंडागांव रवाना

संकुल प्राचार्य पूनाराम यादव ने जानकारी देते हुए कहा कि विद्यालय के व्यायाम शिक्षक मनीष कुमार पांडेय, संस्कारधानी तीरंदाजी संघ जिला राजनांदगांव तीरंदाजी कोच राहुल साहू, कुशल रजक, अंजली यादव व भोपेन्द्र सिन्हा द्वारा नियमित रूप से प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर विद्यार्थियों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए स्थान बनाया है। बालिका-19 वर्ग में प्रियंका प्रजापति, बालक-19 वर्ग में अर्जुन कुमार व तनुष साहू का चयन हुआ है। बालक-17 वर्ग में डेविड साहू, गोपेश साहू, सुमित कुमार यादव व बालिका-17 वर्ग में तिथि चौबे, बालिका-14 वर्ग के लिए कुमकुम साहू, मिष्ठि सिन्हा, उत्सवी साहू, बालक-14 वर्ग में चमन साहू, टिकेश्वर साहू, नमन साहू का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

जंगलपुर संकुल के विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित होने पर संघ के अध्यक्ष राजेंद्र गोलछा एवं संकुल प्राचार्य पूनाराम यादव, जंगलपुर स्कूल प्रधानपाठक रिखीराम साहू, रामपुर स्कूल प्रधानपाठक महादेव वाल्दे, सेजस डोंगरगांव के प्राचार्य भरतलाल देवांगन, व्यायाम शिक्षक हारूण, ग्राम पंचायत जंगलपुर के सरपंच भूपेन्द्र साहू, डोंगरगांव जनपद उपाध्यक्ष मनीष साहू, रामपुर के सरपंच यतीश सिन्हा, शाला विकास समिति के अध्यक्ष चंदूलाल साहू, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों, पालकों एवं ग्रामीणों ने शुभकामनाएं दी हैं।

कल्याणी इस्पात द्वारा छतीसगढ़ प्रशासन के पर्यावरण जलवायु जनसुनवाई का सफल आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। मेसर्स कल्याणी इस्पात लिमिटेड द्वारा छग प्रशासन से पर्यावरण जलवायु जनसुनवाई जिसमे एक्स्पेंसन ऑफ इंटेग्रेटेड स्टील प्लांट फ्रॉम 0.4785 एमटीपीए टू 0.9285 एमटीपीए फिनिसड स्टील प्रोडक्ट (0.466 एमटीपीए टू 2.012 एमटीपीए क्रूड स्टील) एंड एरिया एक्स्पेंसन फ्रॉम 38.68 एच ए टू 84.021 एचए के पर्यावरणीय स्वीकृ हेतु लोक जनसुनवाई शासकीय भूमि मिनी स्टेडियम (वृन्दावन खेल मैदान) ग्राम अंजोरा में रखा गया था। जिसमे प्रमुख रूप से कोपेडीह और अंजोरा के सरपंचो द्वारा कल्याणी इस्पात लिमिटेड को ग्राम के विकास, स्थानीय लोगो को रोजगार1, स्वरोजगार, युवाओं के प्रशिक्षण, स्वस्थ्य सुविधाओ के लिए अस्पताल, उच्च स्तरीय शिक्षा व्यवस्था, मुलभुत सुविधाओ, क्षेत्र के विकास इत्यादि के लिए विशेष मांग किया गया। साथ ही वृक्षारोपण कार्य प्रगति से करने, बाहरी लोगों से स्थानीय लोगों को होने वाली असुविधा उसके रोकथाम, स्थानीय प्रशासन द्वारा, धुएं एवं अपशिष्ट जल का प्रबंधन रोकथाम के उपाय करने के लिए प्रभावी कार्य करने की मांग की गई। सुनवाई के दौरान किसानो द्वारा खेती किसानी में आने वाले परेशानियों का उल्लेख किया गया। जिसे कल्याणी प्रबंधन द्वारा नुकसान काम होने एवं तकनीक इस्तेमाल करने की बात रखी गई। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों को क्षेत्रीय पर्यावण अधिकारी सुषमा सावंत, अपर कलेक्टर मारकंडे ने ग्रामीणों को जनसुनवाई के दौरान जनसुनवाई की प्रकिया एवं ग्रामीणों के अधिकारों सहित कानून संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही जनसुनवाई की वीडियोग्राफी एवं प्रोसेडिंग किया गया। जनसुनवाई में क्षेत्र के पंच, सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनितिक पार्टियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं जवानों की सुरक्षा व्यवस्था में सफलता से छग प्रशासन के पर्यावरण जलवायु जनसुनवाई का सफल आयोजन किया गया।

छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी-अधिकारी संघ ने तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से सौजन्य भेंट कर बधाई दी

रायपुर (दावा)। आज छत्तीसगढ़ आई.टी.आई. कर्मचारी अधिकारी संघ एवं छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने संयुक्त रूप से अपने विभाग के नवनियुक्त विभागीय मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से मुलाकात कर मंत्री जी को बधाई देते हुए सॉल,श्रीफल एवं गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा भेंट करते हुए सम्मान किए।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से मुलाकात करते हुए संघ के पदाधिकारियों ने कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत करवाये। जिसमें मुख्य रूप से ऐसे कर्मचारी जिसने विभाग में 12 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण कर चुके हैं उसके बाद भी आज तक विभाग उनका परिवीक्षा अवधि समाप्त नहीं कर रही है, साथ ही उन सभी कर्मचारियों को पदोन्नति एवं समयमान से भी वंचित कर दिया है और वर्ष 2021 से 2025 तक पिछले पांच वर्षों का तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों का आज दिनांक तक ग्रेडेशन भी जारी नहीं किया गया है। इन सभी समस्याओं को अवगत करवाते हुए अतिशीघ्र निराकरण करने हेतु माननीय मंत्री जी से निवेदन किए संघ के पदाधिकारियों ने माननीय नवीन मार्कण्डेय जी से भी मुलाकात कर प्रदेश महामंत्री बनने पर बधाई देते हुए अपनी विभागीय समस्याओं से उन्हें भी अवगत करवाए।

इस अवसर पर संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री, छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन नवा रायपुर के संयोजक संतोष कुमार वर्मा, पेंशनर्स संघ के प्रांतीय महामंत्री उमेश मुदलियार, आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ के संयुक्त सचिव जागेश्वर सिन्हा, रायपुर संभाग अध्यक्ष गजेंद्र साहू, दुर्ग संभाग अध्यक्ष केवल वर्मा, छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष रामचंद तांडी, जिला रायपुर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक पीताम्बर पटेल, रमेश साहू, जागृति दीवान, गुमान साहू, कौशल साहू, जिला अध्यक्ष पूजा वाजपेयी, रमेश पैकरा, जुवेल लकड़ा योगेश सिदार एवं महेंद्र ध्रुव, मोहन देवांगन,ज्योत्सना सहारे, सीता पूरी और सक्रिय सदस्यगण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

गुजराती समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया गया स्वागत

डोंगरगढ़ (दावा)। कच्छ से पधारे गुजराती समाज के अखिल भारतीय प्रमुख विनोद भाई सोलंकी का डोंगरगढ़ आगमन पर मां बमलेश्वरी ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, गुजराती समाज के सामाजिकगणों एवं ट्रस्टी महेंद्र भाई पटेल की उपस्थिति में शहर के गणमान्यजनों द्वारा स्वागत सत्कार किया गया।

कम्प्यूटर ऑपरेटर व लेखा सहायक पद हेतु भर्ती

मोहला (दावा)। जिले के ग्राम पंचायत गोटाटोला स्थित महतारी वंदना महिला फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में कम्प्यूटर ऑपरेटर सह लेखा सहायक पद के लिए भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

इच्छुक उम्मीदवार 4 सितम्बर 2025 तक कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर या स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदन जमा कर सकते हैं। इस पद के लिए 12वीं/ग्रेजुएट के साथ DCA/PGDCA/MCA/आईटीआई (कोपा)/कम्प्यूटर डिप्लोमा और न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव आवश्यक है। चयन वॉक-इन इंटरव्यू/टेस्ट के माध्यम से होगा। मासिक मानदेय 7,000 रुपए से 10,000 रुपए तक निर्धारित है। अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष है और स्थानीय निवासियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह पद पूर्णतः अस्थायी है।

एनएचएम कर्मचारियों ने पीएमओ, राष्ट्रपति और सीएमओ को लिखा पत्र, मांगों को लेकर जताई नाराजगी

अम्बागढ़ चौकी (दावा)। अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे छग प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ ने अब अपनी समस्याओं को सीधे देश के सर्वोच्च पदाधिकारियों तक पहुंचाया है। कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), राष्ट्रपति, राज्यपाल, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री, मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) और राज्य स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर अपनी लंबित मांगों पर ध्यान देने की गुहार लगाई है। कर्मचारियों की सबसे बड़ी मांग एनएचएम के तहत कार्यरत संविदा कर्मियों का नियमितीकरण है। संघ का कहना है कि वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी अहम भूमिका निभाने के बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं और अधिकार नहीं मिल पा रहे हैं। इसके अलावा संघ ने वेतन विसंगतियों को दूर करने, समान कार्य के लिए समान वेतन देने, कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने और बीमा सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी की है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि लगातार अनुरोध करने के बावजूद सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं की गई। मजबूरन उन्हें अपनी समस्याओं और मांगों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अन्य पदाधिकारियों तक पहुंचाना पड़ा।

उन्होंने उम्मीद जताई है कि शीर्ष स्तर पर उठाए गए इस मुद्दे पर अब गंभीरता से विचार होगा और जल्द समाधान निकलेगा। वहीं संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत आयोजित की जा रही विविध स्पर्धाएं

विजेता प्रतिभागियों को किया जा रहा पुरस्कृत

राजनांदगांव (दावा)।छग रजत महोत्सव पर महिलाओं को सुरक्षित, सक्षम और सशक्त बनाने एवं सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरण, सुरक्षा और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना डोंगरगढ़ अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रूवातला एवं सुकुलदैहान में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महिला संरक्षण अधिकारी विद्या मिश्रा द्वारा भारतीय न्याय संहिता 2023 महिलाओं से संबंधित कानून, महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, गुड टच बैड टच की जानकारी प्रदान की गई। डीएनसी कोमल प्रसाद लहरे व बीएनसी प्रवीण कुमार साहू द्वारा किशोरी बालिकाओं को आयरन फोलिक एसिक लेने, बालिकाओं को पोषण संबंधी जानकारी प्रदान की गई। वहीं जिला मिशन समन्वयक किशोर माहेश्वरी द्वारा साईबर अपराध अंतर्गत साईबर ग्रुमिंग, साईबर स्कॉटिंग, सोशल मीडिया की सावधानियां, सोशल मीडिया के माध्यम से यौन शोषण, लैंगिक उत्पीड़न के प्रति जागरूक किया गया। किसी भी प्रकार की साईबर ठगी के लिए 1930 में तत्काल अपनी शिकायत दर्ज करने कहा गया। इसके अलावा चाईल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098, महिला हेल्प लाईन नंबर 181 जैसे महत्वपूर्ण हेल्पलाईन नंबर की जानकारी दी गई। इसके साथ ही सखी वन स्टॉप सेंटर, सखी सदन, सखी निकेतन के विषय में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

छग रजत महोत्सव अंतर्गत, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, छोटे बच्चों की फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया और विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के माध्यम से पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम में लगभग 130 किशोरी बालिकाओं ने भाग लिया। इस दौरान ग्राम रूवातला की सरपंच उर्मिला मांडवी, शाला की प्राचार्य श्रीमती संतोषी डड़सेना, शाला के शिक्षकगण, पर्यवेक्षक श्रीमती मोनिका सूकतेल, स्वाति बोरकार सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका बड़ी संख्या में उपस्थित रही।

अनमोल दावा

> प्रसिद्ध होने के बजाए ईमानदार होना अधिक अच्छा है।

सम्पादकीय

समाज सुधार हेतु आन लाईन गेमिंग प्रतिबंधित

वर्षाकाल का सत्र हंगामेदार रहा। जिसके कारण सत्र 'आया और गया' की अनुभूति हुई। किन्तु, एक बात अच्छी यह रही है कि केन्द्र सरकार ने जनहितों की सुरक्षा के मद्देनजर अनेक महत्वपूर्ण कानून से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी और सार्वजनिक जीवन के कई क्रान्तिकारी विधेयकों को पारित करने में सफलता प्राप्त की। अगर, संसद गृह में चर्चा हुई होती तो इन विधेयकों को और फायदेमंद किया जा सकता था। परन्तु, विपक्ष ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया और यह अवसर गुमा दिया।

मध्यम वर्गीय परिवारों को आर्थिक नुकसान से बचाने और युवाओं को आनलाईन गेमिंग से छुटकारा दिलाने और कई किस्सों में उन्हें आत्महत्या व अपराध से बचाने भी केन्द्र सरकार ने संसद के दोनों लोकसभा व राज्यसभा गृहों के द्वारा ''आनलाईन गेमिंग का प्रमोशन और नियमन बिल-2025'' को पारित किया गया। अब इस बिल को राष्ट्रपति की भी मंजूरी मिल गई है। यह बिल पारित होने के बाद अनेक कम्पनियों ने आनलाईन मनी गेमिंग की सुविधा प्रदान करने वालों को तीन साल की सजा तक जेल और एक करोड़ रूपयों तक के दण्ड का प्रावधान रखा है। ऐसे गेमिंग से जुड़े खेलों या आयोजन की घोषणा या प्रमोशन करने से दो साल की सजा और 50 लाख तक का जुर्माना भी हो सकता है।

इसके बाद सरकार का ध्यान वास्तविक पैसों से होने वाले आनलाईन गेम्स पर प्रतिबंध लगाने पर रहेगा? आनलाईन मनीगेम्स एप्प पर प्रतिबंध लगाने के कानून लम्बे विचार विमर्श के बाद संसद में पारित हुआ है। उल्लेखनीय कि अनेक परिवारों ने प्रधानमंत्री मोदी को जनहित में अपील की थी कि आनलाईन गेमिंग के कारण उनके पारिवारिक सदस्य, प्रियजनों ने आत्महत्या कर अपनी जीवनलीली समाप्त कर दी थी। ई-स्पोर्टस का सपना देखने वाले युवाओं के किस्से कर्ज, व्यसन और निराशा की सच्चाई के साथ जुड़े हुवे थे। इस मुद्दे पर वित्त, खेलकूद और आईटी मंत्रालयों ने साथ मिलकर एक ब्लूप्रिन्ट तैयार की थी और पी.एम. मोदी के साथ इस बाबत चर्चा भी की थी। प्रधानमंत्री ने विशेष तौर पर इसमें रूचि लेते हुए युवा विशेषज्ञों के साथ भी व्यापक चर्चा की थी। उसके बाद, इस ऐतिहासिक अभूतपूर्व कानून को बहुमत से पारित कर दिया गया था। वास्तव में आनलाईन गेमिंग एक बड़ी मानव दुर्घटना साबित हुई है। जिसमें कर्नाटक में केवल तीन सालों में ही 18 लोगों ने आत्महत्या की है। छत्तीसगढ़ में भी अनपेक्षित युवाओं के द्वारा नुकसान की मार न झेल सकने एवं अपने ही परिवार में शर्मनाक स्थिति का सामना करने के कारण उन्हें जीवन से हाथ धोना पड़ा था। अन्य राज्यों में भी ऐसी अप्रिय घटनाएं घटी हैं। जिसका मुख्य कारण आनलाईन गेमिंग था। आनलाईन गेमिंग ने अपराधों में भी इजाफा किया था। हारे हुओं से पैसा वसुलने गुण्डों का भी इस्तेमाल होता था। ऐसे पठानी वसूली वाले गुण्डे को भी अब पकड़ा जा रहा है। समाज में स्वच्छ वातावरण निर्मित करने आनलाईन गेमिंग पर प्रतिबंध का कानून एक मील का पत्थर साबित होगा।

भारत के खेल रत्न मेजर ध्यानचंद 'भारत रत्न' के वास्तविक हकदार

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

वैश्विक परिदृष्य में आज हमारा देश खेलकूद के मामले में साधारण दिखाई देता है। बीते वर्षों के ओलंपिक खेलों को देखा जाए तो वहां से हम अधिकतर खेलों में खाली हाथ वापस आते नजर आते हैं। अपवाद स्वरुप कुछ खेलो जैसे लान टेनिस, कुश्ती, भारोत्तोलन, शूटिंग में ही गिनती के दो चार पदक हमारे देश के हिस्से में आते हैं। हां यह बात अलग है कि गत संपन्न हुए ओलंपिक के भाला फेंक स्पर्धा में व्यक्तिगत रूप से नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक लाकर एक इतिहास रच दिया। एक सौ पैंतीस करोड़ की जनसंख्या वाले देश में ऐसे कोई भी खिलाड़ी ही नहीं है जो अन्य देशों के खिलाडियों से पंगा लेकर पदक ला सके। ठीक ऐसा ही हाल अन्य खेलों के अंतरराष्ट्रीय बड़े आयोजनों में भी है, चाहे वह एशियाई खेल हों या राष्ट्रकुल के खेल स्पर्धा हो।

इसके सुधार के लिए हमारी खेल व्यवस्था और हमें आज मूलभूत परिवर्तन के साथ गुजरना होगा। तभी तो उक्त परिणामों में भी बदलाव आयेगा और पदकों की संख्या में वृद्धि होगी! आज के परिवेश में युद्ध से नहीं, खेल में पदक लाने से देश की प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। अतः जरूती है कि खेल के स्तर को उंचा उठाया जाए! वैसे भी खेलकूद जो हमारे जीवन का अभिन्न अंग है! जिस पर हमें प्रवीणता हासिल करनी है। रोमांच और विविधताओं से भरी खेली की दुनिया में शिखर पर पहुंचने का सपना हर देश का होता है, कुछ देश जैसे चीन, जर्मनी, जापान, कोरिया, अमेरिका फ्रांस, ब्राजील आदि इस मंजिल को पा लेते हैं और कुछ देशों को प्रायः निराश होकर लौटना पड़ता है। दुर्भाग्य से हमारे देश की गिनती निराश होकर लौटने वाले देशों में होती है। हमारा देश खेल के क्षेत्र में इतना क्यों पिछड़ता जा रहा है, क्या इस सवाल पर किसी ने कभी ध्यान दिया है ? सरसरी तौर पर देखा जाए तो खेलों कि खराब परिस्थिति के लिय कई कारण नजर आयेंगे। जैसे धन की कमी प्रमुख कारण है। खेल पर हम अपने कुल बजट का आधा प्रतिशत भी खर्च नहीं करते। पैसे के अभाव में खेल सुविधाओं के विस्तार की योजना अधूरी रह जाती है। खिलाड़ियों के पास जब खेलने के लिये आधुनिक सुविधायें ही नही रहेंगी तो फिर वे अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कैसे अपने प्रतिस्पर्धियों के ठहर सकते हैं।

आज राष्ट्रीय खेलकूद दिवस पर विशेष

वहीं खेल के लिये आवश्यक प्रबंधन ढांचे का अभाव भी एक प्रमुख कारण है। खेल की दुर्दशा का वस्तुतः खेल के विकास और प्रसार की हमारी अधिकतर योजनाएं दिखावटी ज्यादा है। हम अभी तक अपने देश में खेल का एक मजबूत मूलभूत ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर) विकसित नहीं कर पाये हैं। जब तक हम खेलों को गांवों, कस्बों और छोटे-छोटे नगरों तक नहीं ले जायेंगे तब तक खेल के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर शिखर तक पहुंचने की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। इस संबंध में एक उदाहरण ही काफी है कि रूस में राष्ट्रीय खेलों में मोटे तौर पर आबादी का एक चौथाई हिस्सा शिरकत करता है। यहां बहुत निचले स्तर से स्पर्धाएं शुरू हो जाती हैं, और सुव्यवस्थित रुप से आखिर तक चलती है। हमारे यहां अभी खेलों का ढांचा विकसित ना हो पाने के कारण खेलों में लोगों की भागीदारी बहुत कम है। वहीं चीन जैसा देश जो पिछले कुछ वर्षों में खेल के क्षेत्र में खासी प्रगति कर चुका है। आज अंतर्राष्ट्रीय खेल जगत का चीन एक प्रमुख हस्ती बन चुका है। एशियाई खेलों में तो वह हमेशा ही सिरमौर रहता आया है।

आज स्थिति यह है कि क्रिकेट को छोड़कर हमारे देश में खेलों के प्रति रुचिऔर आकर्षण ना के बराबर है। इसका बहुत बड़ा कारण यह भी है कि खेलों की दुनिया ने सफलता के बाद भी उस बात को कोई गारंटी नहीं है कि कोई खिलाड़ी बिना संघर्ष के जीविकोपार्जन कर सके। यह अविश्वास ही खिलाड़ी के आकर्षण को एक झटके में समाप्त कर देता है।

हमारे देश में बहुधा यह भी देखा जाता है कि यदि सभी परिस्थितियों से जूझते हुये खिलाड़ी अंततः शिखर पर पहुंच भी गया तब भी हमारे यहां उसे राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा में भाग लेने का मौका खोना पड़ सकता है। यही मूल कारण है कि राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से ज्यादा फिक्र राजनैतिक समीकरण की करने लगता है। इससे होता यह है कि खिलाड़ियों का खेल कौशल भी प्रभावित हो रहा है। उनकी योग्यता को नकारने से उनमें कुंठा और निराशा जन्म ले लेती है, जिसका सीधा प्रभाव उनके प्रदर्शन पर पड़ता है। इन्हीं कारणों को देखते हुए मेजर ध्यानचंद सिंह की जयंती पर्व पर आज राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जा रहा है हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद सिंह ने लग्न दृढ़ता और अभाव में भी अपने खेल को जिस तरह से निकाला और सजाया संवारा वह अप्रतिम ही है। मुझे आज तक समझ में नहीं आया कि ना जाने क्यों हमारे देश की केंद्र सरकारों ने उन्हें आज तक भारत रत्न की उपाधि से वंचित कर रखा है। यह तो जगत विख्यात है हमारे देश का बच्चा-बच्चा जानता है ओलंपिक में जब तक वे खिलाड़ी के तौर पर हिस्सा लेते रहे उन्होंने हाकी के खेल में स्वर्ण पदकों की लाइन लगा रखी थी। केंद्र की सरकार को इस विषय पर गंभीरता पूर्वक विचार करना होगा और अधिसंख्य जनभावनाओं का आदर करते हुए शीघ्र से शीघ्र हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को भारत रत्न की उपाधि से विभूषित करना चाहिए।

हमारे देश मे खिलाड़ियों के सतत अभ्यास और अच्छे प्रशिक्षण की भी कमी है। प्रशिक्षण सुविधाओं का अभाव तो है ही साथ ही अच्छे प्रशिक्षकों की भी कमी है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में होने वाले खेलकूद महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं। खेलकूद का स्तर सुधारने के लिए हम सभी में पूरी निष्ठा का होना बहुत आवश्यक है । बजट प्रावधानों में फेल के लिए खर्च होने वाली राशि में वृद्धि की जाए। ग्रामीण स्तर वह निचले स्तर पर खेलकूद गतिविधियों को विशेष बढ़ावा दिया जाए। प्रचार-प्रसार माध्यम ना केवल खेलकूद के समाचारों को पर्याप्त महत्व दें बल्कि इसके साथ ही सफल खिलाड़ियों का हौसला अफजाई भी करें ।इ स संबंध में सबसे पहली जरुरत एक विस्तृत और सुव्यवस्थित खेल नीति की है।

खेलों के विकास के लिये पहली जरूरत एक राष्ट्रीय खेल नीति की है। दूसरी खास जरूरत ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं को निकालकर लाने और फिर उन्हें तराशनू की है। यदि हम ऐसा कर तो निश्चय ही एक दिन हम खेल की दुनिया में काफी ऊपर पहुंच सकते हैं।

विचार सहिता

जीवन सूत्र : संदर्भ नये : कर्मफल से ध्यान हटाएं, योग की सकारात्मक विधा से जीवन को जोड़ें

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

भगवान श्री कृष्ण ने समत्व पर बल देते हुए समझाया है कि हम जो भी कर्म करें उसके पूर्ण होने और न होने की स्थिति में भी हम सम रहें और जो फल प्राप्त हो उसमें भी हम समभाव रखें। इस बात को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा है कि समता अर्थात समान भाव के दर्शन से युक्त बुद्धियोग कामना में किए जाने वाले कर्मों से श्रेष्ठ है।

आखिर फलों की आसक्ति से युक्त कर्म छूटेगा कैसे? या फिर ऐसा क्या करें कि कर्म करने के समय फल का ध्यान ना रहे?

इसका उपाय है,स्वयं पर नियंत्रण।हम इस बात को हमेशा ध्यान में रखें कि जो हम पाना चाहते हैं,वह स्थाई नहीं है या हम जो पाने से वंचित रह गए हैं, और जिन्होंने उसे प्राप्त कर लिया है,वह भी सदा किसी का नहीं हुआ है। इस सराय वाली दुनिया में सुख के साधनों को कोई भी अपने पास बांधकर नहीं रख पाया है या रोक नहीं पाया है।

आधुनिक जीवन शैली की भागदौड़, चिंता और तनाव को दूर करने का एक सरल उपाय योग है। योग 'युज' धातु से बना है।जिसका अर्थ है जुड़ना,जोड़ना, मेल करना। अगर हमारी बुद्धि सम हो जाए,तो जीवन की समस्याएं हमें विचलित नहीं करेंगीं, बल्कि हमें इनका सामना करने की सूझ और साहस प्रदान करेगी। श्री कृष्ण ने कार्यों को कुशलतापूर्वक करने का निर्देश दिया है। हम अपने वास्तविक जीवन में अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से पूरा करते हुए योग ही कर रहे होते हैं।

अपने योग सूत्र में पतंजलि ऋषि ने कहा है,योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः अर्थात चित्त की वृत्तियों पर नियंत्रण ही योग है। अगर हमने अपने मन की चंचलता पर नियंत्रण कर लिया, तो हमारी आधी समस्याओं को हल करने की ताकत हमें स्वतः ही प्राप्त हो जाएगी।

स्रोत श्लोक : -

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में अर्जुन से कहा है :- दूरेण ह्यवरं कर्म बुद्धियोगाद्धनञ्जय।
बुद्धौ शरणमन्विच्छ कृपणाः फलहेतवः।
(2/49)।

इसका अर्थ है :- इस समत्वरूप बुद्धि योग की तुलना में सकाम कर्म अत्यंत ही निम्न श्रेणी का है। इसलिए हे धनंजय! तू समबुद्धि अर्थात बुद्धियोग का ही आश्रय ग्रहण कर।क्योंकि दयनीय लोग ही फल को ध्यान में रखकर कर्म करते हैं।

बुद्धियुक्तो जहातीह उभे सुकृतदुष्कृते।
तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम्।।2/50।।

इसका अर्थ है, हे अर्जुन !समत्वबुद्धि वाला व्यक्ति जीवन में पुण्य और पाप इन दोनों कर्मों को त्याग देता है(इनके द्वंद्वों से मुक्त हो जाता है) इसलिए तुम योग से युक्त हो जाओ। कर्मों में कुशलता ही योग है।।

सामयिक चर्चा

मुंह बन्द करने के लिए....!

अखबार उठाकर बानी बोले गजाधर !
आज हम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री
मनीष सिसोदिया के मन की बात पढ़ते हैं।
वे कहते है -
भाजपा जब भी किसी राजनीतिक
संकट में आती है,
तो वह ईडी का इस्तेमाल कर,
अपने विरोधियों पर छापेमारी करवाती है।
आप नेता सौरभ भारद्वाज के आवास पर
बीस घन्टे तक छापेमारी का कल ड्रामा
इसीलिए रचा गया, ताकि देश का ध्यान,
पीएम मोदी से, उनकी डिग्री के संबंध में
परसों पूछे गए सवाल से हट सके।
फिर गजाधर ! सिसोदिया ने कहा यही -
आपकी (मोदीजी की) डिग्री
असली है या नकली दिखाते क्यों नहीं?
तो गजाधर ! इस पर
आपका क्या कहना है, हमे बताएं ?
गजाधर मन्द-मन्द मुस्कराए,
बोले - बानी ! मेरा कहना है -
हमारे पीएम मोदी जी को,
'आप' वालों की बेतुकी बातों को
नहीं सुनना चाहिए।
वे डिग्री देखने के लिए अड़े हैं,
तो उनको डिग्री दिखा देना चाहिए।
इस तरह मोदी जी उनके मुंह बन्द
कर देंगे,फिर आम जनता पार्टी
के नेता, ऊलजलूल, कुछ भी
नहीं कह सकेंगे।

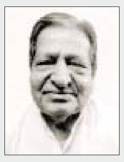

गिरीश बख्शी

कविता

गौरी पुत्र गणराज

गौरी के पुत्र प्रभु तंय गणराज
तोर पूजा होवे पहिली महराज।
बिघ्न के तंय ह हरईया
ज्ञान के तहीं देवईया
तंय करे सफल सब के काज।
शुभ कारज तय ह करईया
तहीं हर आशीष के देवईया
तोर महिमा गाये सन्त समाज।
ज्ञान बुद्धि के बतईया
वेद-पुराण के सिरजईया
श्रद्धा-भक्ति के बने महाराज।
तोर वाहन हे मुसक सवारी
तोला लागय सुग्घर न्यारी।
तंय हर बने ग सब के देवराज।
लड्डू-मोदक तोही ल भावय
तोला इही हर अबड़ मिठावय
मिल खावय तोर संगी समाज।
दुखिया के दुख हरईया
सुख के तंय हर देवईया
तंय सब देवन के बने महाराज।

अशोक पटेल 'आशु'
तुस्मा,शिवरिनारायण(छ ग)
9827874578

शब्द सामर्थ्य -153

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे

1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

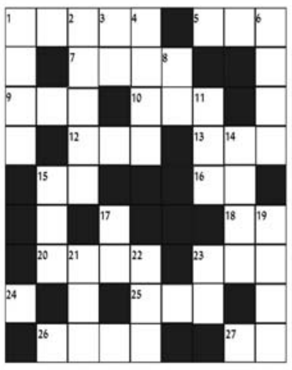

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 152 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म			स
ट		भ	ला	ई		अ	स	म
ना	म			स	मा	धि		झ
	ज		बे		न	का	र	ना
बा	बू		आ	य	क	र		
	र	की	ब				प्र	था
ज			रू	प	क		ज	न
हा		पा		ना	म	ची	न	
ज	हां	प	ना	ह		ता	न	ना

सू- दोकू क्र.153

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.152 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

राशिफल

मेष – आज आपके लिए दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपको सोने-चाँदी के बिजनेस में बड़ा धन लाभ होगा। आज आप प्रोफेशनल कार्यों के साथ-साथ अपने निजी कार्यों को भी पूरा करेंगे। आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी उपस्थिति और विचार सराहनीय रहेंगे। आज जीवनसाथी के साथ आपका ताल-मेल बना रहेगा, आपके घर में किसी कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

वृष राशि – आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आपको व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा , जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप किसी मुद्दे के ऊपर जीवनसाथी से सलाह-मशविरा कर सकते हैं। आज किसी प्रोजेक्ट को लेकर ऑफिशियल यात्रा संभव है, आप सारी तैयारी अच्छे से कर लें। आज किसी कोर्ट-कचहरी के मामले में आपको जीत मिलेगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा ।

मिथुन – आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला है। आज आप किसी नए काम की शुरुआत करेंगे, जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आप माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं , जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आप घर - परिवार संबंधी समस्याओं को सुलझाने में सफल रहेंगे और आपको कहीं से अटके हुए धन की प्राप्ति होगी।

कर्क – आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप व्यापार को और बड़ा बनाने का प्रयास करेंगे, जिसके लिए आप ऑफिस में मीटिंग कर सकते हैं। आज आप अपने खान-पान को लेकर डाइट प्लान तैयार कर सकते हैं। इस राशि के विद्यार्थियों को आज इंटरव्यू या करियर से संबंधित क्षेत्र में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे।

सिंह – आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रूप से चलती रहेंगी, आप किसी बड़ी डील को फ़ाइनल कर सकते हैं। आज ऑफिस में आपके काम को लेकर तारीफ होगी और बॉस आपके प्रमोशन की बात कर सकते हैं। आज आपके घर का वातावरण मधुर और खुशनुमा बना रहेगा। इस राशि की महिलाएं घर से ही किसी काम की शुरुआत कर सकती हैं।

कन्या – आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप रुके हुए कार्यों को पूरा करेंगे, जिससे आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। आज आप किसी भी निर्णय को लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें, जिससे बाद में कोई पछतावा न हो। आज आपके वैवाहिक जीवन में ढेरों खुशियाँ आएंगी, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आप दोस्तों के साथ बैठकर अपने भविष्य को लेकर कुछ चर्चा कर सकते हैं।

तुला – आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे। इस राशि के जो व्यक्ति विदेश जाने का मन बना रहे थे , आज आपको किसी से मदद मिलेगी। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से आपको प्रसन्नता मिलेगी।

वृश्चिक – आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद से अपने कार्यों को पूरा करने में समर्थ रहेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज ऑफिस में बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। आज आपको पिछले कुछ समय से अपने करियर और निजी जीवन संबंधी किए गए प्रयासों का फल मिलने का समय है।

धनु – आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप पार्टनरशिप में किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में आप अच्छा लाभ कमायेंगे। इस राशि के सामाजिक कार्यों में कार्यरत व्यक्ति सामाजिक हित के लिए किसी विशेष मुद्दे को उठा सकते हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी और व्यापार में सफलता के अनेक अवसर मिलेंगे। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

मकर – आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। आज आप व्यापारिक लेन-देन में सारी चीजें अच्छे से चेक करें और कर्मचारियों के साथ अच्छे से व्यवहार करें। आज आपको पैतृक सम्पत्ति का लाभ मिलेगा, जिससे आपके बहुत से अटके काम पूरे होंगे। आज आप दाम्पत्य जीवन की समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करेंगे, जिसमें जीवनसाथी का साथ मिलेगा।

कुंभ – आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपने सपनों को पूरा करने में काफी हद तक सफल रहेंगे। आज आपके दाम्पत्य जीवन में नयी जिम्मेदारियां आएंगी , जिसे आप बखूबी निभायेंगे। आज आपको किसी व्यक्ति की मदद करने का मौका मिलेगा , जिसे आप नजरंदाज न करें। आज आप भाई-बहनों के साथ मार्केट शॉपिंग करने जा सकते हैं और आप उन्हें कुछ गिफ्ट भी दिलायेंगे।

मीन – आज आपके जमीन जायदाद से जुड़े कार्य प्रगति की ओर बढ़ेंगे। आज आप किसी मामले में घर के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह ले सकते हैं, जिससे वो आसानी से सुलझ जायेगा । आज आप अपनी माता जी की किसी इच्छा को पूरा करने में सफल होंगे, जिससे उनका प्यार व आशीर्वाद आपको मिलेगा। इस राशि के शिक्षकों के लिए दिन थोड़ा ज्यादा व्यस्त रहेगा , जिससे आपको थकान का अहसास हो सकता है।

‘खूब पढ़ो आगे बढ़ो, जिले का नाम रोशन करो’ - कलेक्टर श्रीमती प्रजापति

मोहला (दावा)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज कलेक्टर कक्ष में जिले के नीट उत्तीर्ण मेधावी छात्रङ्कछात्राओ को बधाई देते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिसमें विकासखंड मोहला के ग्रामीण अंचल के ग्राम रेंगाकठेरा निवासी सीमा गांवरे, ग्राम चिलमटोला के चंद्रशेखर पिस्दा, ग्राम साल्हेटोला के साक्षी देशमुख एवं ग्राम कनेरी की रितु राणा शामिल थी। जिनका चयन नीट परीक्षा के माध्यम से एमबीबीएस कोर्स के लिए चयन हुआ है। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति नें बच्चों को जिले को गौरवांवित करने एवं आगे की पढ़ाई पूरी मेहनत से करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा एवं नीट की तैयारियों को लेकर जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि आपकी मेहनत के फलस्वरूप यह सफलता मिली है। मेडिकल के लिए आगे और अच्छे से मेहनत करना होगा। खूब पढ़ो आगे बढ़ो और जिले का नाम रोशन करों। आपकी यह सफलता अन्य बच्चो के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनेगी। भविष्य में कई भटकाव की स्थिति निर्मित होगी लेकिन आपको पढ़ाई के प्रति दृढ़ निश्चय के साथ आगे

० जिले के बच्चे बनेंगे डॉक्टर, कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं
० कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने नीट उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओ का किया सम्मानित

बढ़ना होगा। आपको अपने पालकों के उम्मीदों पर खरा उतरना होगा, आपके पालक चाहते है आप एक बेहतर भविष्य बनाए। उन्होंने बच्चों से कहा आप भविष्य में कही भी कार्य करें लेकिन अपनी जड़ों को न भूले और उस क्षेत्र के लिए कार्य करें।

उल्लेखनीय है कि सभी विद्यार्थी विकासखंड मोहला में कक्षा आठवीं तक पढ़ाई करके प्रयास आवासीय विद्यालय एवं नवोदय विद्यालय में चयनित होकर बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण किये तथा कड़ी मेहनत से राष्ट्रीय पात्रता तथा प्रवेश परीक्षा (नीट) उत्तीर्ण कर एमबीबीएस कोर्स के लिए चयनित हुए हैं। इस अवसर पर बच्चों के पालक, जिला शिक्षा अधिकारी फत्तेराम कोसरिया, विकासखंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार देवांगन, संकुल शैक्षिक समन्वयक नूतन सिंह साहू उपस्थित रहे।

प्रशासन करेगा हरसंभव सहयोग

कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने कहा कि जिला प्रशासन हरसंभव मदद एवं मार्गदर्शन करते रहेगा। उन्होंने डीईओ को निर्देशित किया कि जिले के मेधावी छात्र-छात्राएं जो जिले के बाहर पढ़ रहे है। उनका नियमित अंतराल में जानकारी लेते रहे, साथ ही चयनित छात्रङ्कछात्राओ को विभिन्न योजना अंतर्गत दिए जा रहे स्कॉलरशिप की जानकारी के साथ आवेदन करने हेतु मार्गदर्शन करें, ताकि बच्चों को पढ़ाई में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ग्रामीण ताईक्वांडो खिलाड़ियों ने विवेक मोनू भंडारी के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री अरुण साव से की मुलाकात

डोंगरगढ़ (दावा)। ग्रामीण अंचल के प्रतिभावान ताईक्वांडो खिलाड़ियों ने भाजपा नेता विवेक मोनू भंडारी के नेतृत्व में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री अरुण साव से सौजन्य मुलाकात की। खिलाड़ियों ने अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में खेल सुविधाओं के अभाव से जुड़ी समस्याओं से मंत्री श्री साव को अवगत कराया। इस अवसर पर हिना उजवाने, राधिका यादव, रागिनी कवर, संजना निषाद, राजेंद्र कंवर, डी. होमेश राव, अंश उजवाने सहित कई युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे। खिलाड़ियों के कोच गौतम लीलहारे और कराटे नेशनल चैम्पियन विकास सहारे भी मौजूद थे।

श्री साव के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन और सुविधाएं मिलेंगी

उपमुख्यमंत्री श्री साव ने सभी खिलाड़ियों से आत्मीयता के साथ संवाद किया और ग्रामीण बच्चों को भोजन भी कराया। उन्होंने खिलाड़ियों के जज़्बे की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतिभाओं को पूरा सम्मान और सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी। खिलाड़ियों ने बताया कि एक दिन पहले ही श्री भंडारी से मुलाकात कर अपनी समस्याएं साझा की थी। अगले ही दिन मंत्री से भेंट का अवसर मिलने पर खिलाड़ियों ने भाजपा नेता के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री भंडारी ने उपमुख्यमंत्री श्री साव को अतिरिक्त खेल मंत्रालय का प्रभार मिलने पर राजनांदगांव जिला संघ की ओर से बधाई देते हुए स्वागत किया। श्री साव की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भाजपा नेता श्री भंडारी ने कहा कि श्री साव के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण अंचलों में छिपी खेल प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन और सुविधाएं मिलेगी। जिससे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उपमुख्यमंत्री श्री साव द्वारा खिलाड़ियों को आश्वासन दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अवसंरचना और संसाधनों के विकास के लिए ठोस पहल की जाएगी।

पहला कॉलम...

शासकीय स्कूल तिलईरवार में रजत जयंती का आयोजन

तिलईरवार (दावा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलईरवार ने हाल ही में अपनी रजत जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर स्कूल में रंगोली और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति के साथ एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य और सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, और छात्रों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पूजा और गुलाल लगाकर हुई। इस दौरान छात्रों ने देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। जिनमें वैशाली, जैसमीन, लक्ष्मी, संध्या, यामिनी, और कुमकुम शामिल थी। वहीं दिव्या, तोकेश कुमार, संध्या और रीना जैसे छात्रों ने देशभक्ति विषय पर सुंदर रंगोली बनाई।

इस कार्यक्रम में शिक्षकों ने भी अपने विचार साझा किए। अशीम कुमार यदु, थंगेश्वर कुमार साहू, श्रीमती अनुराधा ढोक, श्रीमती सरोज भुआर्य और नोहरदास लिल्हारे ने देशभक्ति के महत्व पर भाषण दिए। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता थंगेश्वर कुमार साहू ने किया और अंत में प्राचार्य अशीम कुमार यदु ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे। जिनमें श्रीमती रेखा मुरकुटे, जानकी वल्लभ तंबोली, राजेश कुमार नेताम, जितेंद्र कुमार कश्यप, पालकराम वर्मा, हरिचंद यादव, आशीष मसीह, रीचा चंद्राकर, और हेमीन ठाकुर शामिल थे।

जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से महिलाएं हो रही सशक्त और सक्षम

राजनांदगांव (दावा)। छग रजत महोत्सव पर महिलाओं को सुरक्षित, सक्षम और सशक्त बनाने एवं सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरण, सुरक्षा और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एकीकृत बाल विकास परियोजना राजनांदगांव ग्रामीण 1 अंतर्गत आने वाले ग्राम बोरी में ‘बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक किशोर माहेश्वरी कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। सखी वन स्टॉप सेंटर से श्वेता त्रिवेदी और संतोषी पाटिला द्वारा लैंगिक उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट, गुड टच, बैड टच, शारदा एक्ट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी देकर शाला की किशोरी बालिकाओं को जागरूक किया। वहीं बाल संरक्षण इकाई के चाईल्ड लाईन शाखा से महेश साहू और नितिन किशोरी वर्मा द्वारा बाल अपराध, उसका संरक्षण, उसकी पढ़ाई, अनाथ बच्चों को शासन से दिए जाने वाले सहयोग आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में 25 महिलाएं और 35 किशोरी बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में बोरी सेक्टर की पर्यवेक्षक इंदु कुर्रे सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित थी।

ग्राम बरबसपुर में वित्तीय समावेशन शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। वित्तीय समावेशन योजनाओं के संतृप्ति हेतु चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आज बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बरबसपुर में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर श्रीमती रीनी अजीत ने एक दिवसीय वित्तीय समावेशन शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने बैंकिंग कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बैंकिंग कार्यों के संबंध में स्थानीय निवासियों, व्यापार प्रतिनिधियों और बैंक अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने विभिन्न बैंकिंग सेवाएं निर्बाध रूप से मिलने के लिए अपने खातों को पुनः केवाईसी कराने के लिए प्रोत्साहित किया। शिविर में बकाया खातों के केवाईसी विवरणों के पुनः सत्यापन के महत्व के बारे में बताया। शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक एकीकृत योजना 2021 और दावा न की गई जमाराशियों के बारे में जानकारी दी गई। डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों के संबंध में जानकारी दी गई। शिविर में ग्राम पंचायत बरबसपुर और आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक एवं जिला राज्य सहकारी बैंक आदि सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। शिविर में 115 खातों की पुनः केवाईसी की गई। शिविर में अग्रणी जिला प्रबंधक मुनीश शर्मा सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जनता इनके कारनामे देख रही, भूपेश बघेल के बयान पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने बोला हमला

रायपुर। बिलासपुर पहुंचे उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा मंत्रिमंडल विस्तार को असंवैधानिक कहे जाने वाले बयान पर कहा कि जिन्होंने लगातार संविधान का अपमान किया है, संवैधानिक संस्थाओं का अपमान किया हो और जो नियम-कानून को ना मानता हो वो इस प्रकार का आरोप लगा रहे हैं।

यह दुर्भाग्यजनक है। वोट चोरी का आरोप लगाना ये जनता का अपमान है, जनादेश का अपमान है। कांग्रेस पार्टी जो कर रही है जनता इनके कारनामों को देख रही है। कांग्रेस पार्टी सिकुड़ रही है। कैसे कांग्रेस के कार्यकर्ता दूर हो रहे हैं ? इस पर मंथन करने के बजाए पार्टी जनता को ही दोषी ठहरा रही है। वोट चोरी का आरोप लोकतंत्र का अपमान है।

प्रदेश में बढ़ते धर्मांतरण के मामले में डिप्टी सीएम अरुण ने बड़ा बयान देते हुए

कहा कि पिछली सरकार के समय उनके संरक्षण में धर्मांतरण हो रहा था। धर्मांतरण कराने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी। अब हमारी सरकार आने के बाद जहां कही भी धर्मांतरण की बात समाने आ रही है वहां कार्यवाई हो रही है। इसलिए मामले उजागर हो रहे हैं। जो भी धर्मांतरण में लिप्त होगा उस पर कार्रवाई होगी। छत्तीसगढ़ में बाघों की वृद्धि पर डिप्टी सीएम ने खुशी जाहिर की और कहा कि ये छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है कि बाघों की वृद्धि हुई। प्रदेश में गोवंशों की हो रही मौत पर कहा कि ऐसी घटना को रोकने के लिए गोवंशों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए एक विस्तृत कार्य रोजाना बनाई गई है। आने वाले समय में गो माता सुरक्षित और संरक्षित होंगी। वहीं प्रदेश के स्कूलों में अव्यवस्थाओं और लापरवाही सामने आने के मामले में कहा कि सरकार सजग है और जहां पर इस प्रकार की अनहोनी हो रही है सरकार कार्रवाई कर रही है।

कैदियों ने पुष्प की अभिलाषा का किया सामूहिक पाठ

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध कवि स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित कालजयी कविता 'पुष्प की अभिलाषा' का आज केन्द्रीय जेल बिलासपुर में सामूहिक पाठ किया गया। स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी ने बिलासपुर केन्द्रीय जेल में निरूद्ध रहने के दौरान 18 फरवरी 1922 को इस देशभक्तिपूर्ण काव्य की रचना की थी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव की मौजूदगी में कैदियों ने इसका सामूहिक पाठ किया। केन्द्रीय जेल प्रशासन द्वारा एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र समूह के सहयोग से इस प्रेरणादायी कविता पाठ समारोह का आयोजन किया गया था।

जनपद सभापति पूर्णिमा कृष्णा साहू ने भेड़ीकला स्कूल की छात्राओं को बांटी साइकिल

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव जनपद पंचायत की कृषि सभापति पूर्णिमा कृष्णा साहू ने ग्राम भेड़ीकला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में छात्राओं को मुफ्त साइकिलें वितरित की। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की नई भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई योजना का हिस्सा है। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद पूर्णिमा कृष्णा साहू ने छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नई सरकार आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखकर बड़े बदलाव कर रही है। अब नौवीं कक्षा के सभी छात्रों को मुफ्त साइकिल दी जाएगी। वहीं 12वीं तक पढ़ने वाले छात्रों को भी पाठ्य पुस्तकें मिलेगी। इस मौके पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष गुलाब दास साहू, सदस्य प्रवीण देवांगन, वेदराम साहू, सरपंच प्रतिनिधि नीलकमल पवन सोनी और स्कूल के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

महिला स्वास्थ्य समस्याओं के आयुर्वेदिक समाधान पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान अंतर्गत महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वधान में आयोजित आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के अंतिम दिवस स्त्रियों से सम्बंधित स्वास्थ्य समस्याओं का आयुर्वेदिक उपचार विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ के आयुष्मान विभाग की प्रमुख डॉ. शुभी खान (आयुर्वेद चिकित्सक) उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वल्लित कर किया गया। पश्चात मुख्य वक्ता का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ई.व्ही. रेवती के द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य ने कहा कि स्त्रियों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए जो की अधिकतर स्त्रिया नहीं रखती हैं, क्योकि स्त्री ही परिवार की धुरी होती है।

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान अंतर्गत, सात दिवसीय कार्यशाला संपन्न

कार्यशाला में छात्राओं को संबोधित करते हुए वक्ता डॉ. शुभी खान बताया कि महिलाओ को हर उम्र में स्वास्थ्य सम्बंधित कई परेशानियाँ होती है जिनका सही समय पर उपचार नहीं होने से आगे वो गंभीर बीमारियों में परिवर्तित हो जाती है अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रत्येक महिला होने वाली परेशानी के बारे में खुल कर बात करे, जिससे सही समय पर उसका उपचार किया जा सके तथा खुद ही डॉक्टर बनने से बचना चाहिए, अपने वक्तव्य में डॉ खान ने महिलाओ में होने वाली विभिन्न स्त्री जन्य रोगो के बारे में उनके लक्षण और उपाय के बारे में बताया तथा छात्राओं द्वारा पूछे गए प्रश्नो के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा डॉ. खान को महाविद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया एवं महाविद्यालय के परिसर में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम अंत में उपस्थित छात्राओं ने अपने सात दिनों के अनुभव बताये जिसके आधार पर उन्हें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्रदान कर सभी को प्रमाण पत्र दिए गए कार्यक्रम का संचालन तूलिका चक्रवर्ती के द्वारा किया गया और सहभागी के रूप में गौरव तिवारी व पूर्वेश बांधव उपस्थित रहे।

नशा समाज में अनेक कुप्रभाव और बुराईयां फैलाता है - प्राचार्य डॉ. आर.के. ठाकुर

डोंगरगढ़ /एलबी नगर (दावा)। शासकीय कुंज बिहारी चौबे महाविद्यालय लाल बहादुर नगर में प्राचार्य डॉ. आर. के. ठाकुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी अरुण कुमार साहू, रेड रिबन क्लब प्रभारी सुश्री सोनल नागवंशी के मार्गदर्शन तथा एन.एस.एस. दलनायक रितेश पटेल एवं उपदलनायक डेकेश्वर के नेतृत्व में गोद ग्राम मक्का टोला में रैली निकाली गई।

नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत निकाली रैली

प्राचार्य डॉ. ठाकुर ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा समाज में अनेक कुप्रभाव और बुराइयाँ फैलाता है। नशा से मुक्ति पाकर ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को नशा मुक्त जन-जन हो का संदेश देते हुए रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न नारे और स्लोगन लगाकर ग्रामवासियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक साथियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

आपातकालीन स्थिति में भीड़ को नियत्रंण करने व पीड़ितों को तत्काल स्वास्थय सुविधा उपलब्ध कराने मॉकड्रील

डोंगरगढ़ (दावा)। नवरात्रि पर्व को मद्देनजर रखते हुए भीड़ एवं आपातकालीन स्थिति को लेकर रेलवे स्टेशन में मॉक ड्रील किया गया। आपातकालीन स्थिति में भीड़ को नियत्रंण करने व पीड़ितों को तत्काल स्वास्थय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मॉक ड्रील’किया गया। मॉकडील में एसडीओपी, थाना प्रभारी, आरपीएफ, जीआरपीएफ, स्टेशन मास्टर डोंगरगढ़ एवं बीडीएस टीम व डॉक्टर सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी शामिल हुए। स्टेशन में भीड़ की स्थिति में जेब कतरों, चेन स्नैचरो एवं अन्य संदिग्धों पर विशेष निगरानी रखने हिदायत दी गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में पुलिस ने बताया कि डोंगरगढ़ में स्थित माँ बम्लेश्वरी देवी के मंदिर में हर नवरात्र में देश-विदेश से श्रद्धालुओं द्वारा ज्योति कलश स्थापना करवाते है तथा नवरात्र में नौ दिन तक मेला का आयोजन किया जाता है। जिसमें देश-विदेश से दर्शनार्थीगण माँ बम्लेश्वरी देवी के दर्शन एवं मेला घुमने अपने-अपने विभिन्न साधनों के माध्यम से डोंगरगढ़ पहुंचते है। जिसमें ट्रेन के साधन से भी अत्यधिक मात्रा में दर्शनार्थीगण डोंगरगढ़ दर्शन एवं घुमने के लिए आते है। जिससे रेलवे स्टेशन में काफी भीड़ की स्थिति बनी रहती है। जिसे ध्यान में रखते हुए पुलिस महानिरीक्षक रेंज अभिषेक शांडिल्य, पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग एवं अति. पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के आदेशानुसार 28 अगस्त को रेलवे स्टेशन कालकापारा डोंगरगढ़ में एसडीओपी डोंगरगढ़ आशिष कुंजाम के नेतृत्व में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ उपेन्द्र कुमार शाह आरपीएफ निरीक्षक प्रशांत अल्डक, जीआरपी निरीक्षक श्रीमती दया कुर्रे, स्टेशन मास्टर डोंगरगढ़ गुरूचरण सेट्ठी, डीटीआई हरिहर राणा, डॉ. योगेश कन्नौजे सीएचसी डोंगरगढ़, बीडीएस टीम राजनांदगांव, फायर ब्रिगेड एवं अन्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मिलकर समन्वय स्थापित कर नवरात्रि पर्व एवं अन्य समय में आपातकालीन की स्थिति व भीड़ को नियत्रंण करने, आगजनी एवं घायल पीड़ितों को तत्काल स्वास्थय सुविधा उपलब्ध कराने का मॉक ड्रील किया गया।

भगदड़ जैसी स्थिति से निपटने का प्रदर्शन

मॉकडील दौरान रेलवे स्टेशन में अचानक आग लग जाने से अत्यधिक भीड़ के कारण अचानक भगदड़ जैसी स्थति उत्पन्न होने पर कैसे तत्काल आपातकालीन नबंरों एवं संबंधित विभागों को सूचना दी जाती है। कैसे भीड़ को नियंत्रण की जाती है। आग में कैसे काबु पाया जाता है। घायल पीड़ितों को कैसे तत्काल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। घटना स्थल को कैसे सुरक्षित करना है एवं अन्य के संबंध में मॉकडील कर उपस्थित अधिकारी/कर्मचारी को प्रशिक्षित किया गया है। साथ ही भीड़ की स्थिति में जेब कतरों, चौन स्केचनरों व अन्य संदिग्धों पर विशेष निगरानी रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

‘सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा’ विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता संपन्न

हरदी (दावा)। विगत दिनों शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डौंडीलोहारा में ‘सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा’ विषय पर विकासखंड स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें टटेंगा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। इसमें पक्ष में कक्षा 12वीं से अभिषेक, साक्षी व प्रियंका तथा विपक्ष में 12वीं से मोहित, 11वीं से उपासना व कुसुम सिन्हा ने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी व्याख्याता अजय पाठक ने बताया कि इस दल के प्रशिक्षक व्याख्याता पवन सिन्हा और प्रबंधक बिंदु साहू थे। इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य आरके देवांगन, चंद्रमणि वासनिक, टीएल देवांगन, रेशमी साहू, चंद्रा देबनाथ, हेपशिबा एंथोनी, हर्षा देवांगन, रीना बोरकर, भागवत साहू, महेश रावटे, वेद प्रकाश साहू, बिंदु पटेल, चंद्र प्रकाश सोनबोइर, अनुराधा खरे, सुरेंद्र नेताम, कुंदन यादव ने शुभकामनाएं दी।

पहला कॉलम...

आज फिर बदली सोने की कीमत

नई दिल्ली। देश में लगातार बढ़ती सोने की कीमत से लोगों की चिंता भी बढ़ती जा रही है। बीते दिन भारत में टैरिफ लागू होने के साथ ही सोने की कीमत में भी बढ़ोतरी देखी गई थी। 28 अगस्त की सुबह एक बार फिर से सोने की कीमत में बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि, ये बदलाव बहुत ही मामूली है, जिसमें 160 रुपये की बढ़ोतरी देखी जा रही है। 24 कैरेट सोना प्रति 10 ग्राम 1,02,750 रुपये तक पहुंच गया है। चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं, प्लेटिनम की कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। देश में आज 50 फीसदी टैरिफ लगने का दूसरा दिन है। बीते दिन 25 फीसदी टैरिफ लागू किया गया, जिसके बाद दिन में सोने की कीमत में उछाल देखने को मिला था। इसी के साथ आज भी सोने की कीमत में तेजी देखी जा रही है। 28 अगस्त 2025 को 24 कैरेट सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 160 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 1,02,750 रुपये पर पहुंच गई है। 22 कैरेट सोने की कीमत आज 94,200 रुपये है, जिसमें 150 रुपये की मामूली बढ़ोतरी देखी जा रही है। 18 कैरेट सोने की कीमत 130 रुपये की बढ़ोतरी के बाद 77,080 रुपये हो गई है।

नेपाल में हैजा से तीन की मौत और 300 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती

बीरगंज। इनेपाल के बीरगंज जिले में हैजा फैल गया है। बीते हफ्ते से जिले में हैजा के कई मामले सामने आए हैं और स्थिति इस कदर खराब है कि तीन लोगों की हैजा से मौत हो गई है और 300 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। नेपाल का बीरगंज जिला सीमावर्ती इलाका है और लंबे समय से सूखे की चपेट में है। हैजा फैलने की वजह भी सूखे को माना जा रहा है। बीरगंज जिले के नारायणी अस्पताल के डॉक्टर उदय नारायण सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार से हैजा के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लोग डायरिया की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। कई मरीजों की जांच में उन्हें कोलेरा का संक्रमण मिला है। कोलेरा से ही हैजा की बीमारी होती है। नारायणी अस्पताल में ही कई वार्ड हैजा के मरीजों से भरे हैं। नेपाल में मानसून के मौसम में पानी और खाने संबंधी जनित बीमारियां बहुत फैलती हैं। इनमें हैजा भी प्रमुख है। हर साल हजारों लोग इस बीमारी की चपेट में आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी हैजा को एक वैश्विक संकट मानता है।

ट्रंप प्रशासन ने वीजा नियमों में बदलाव को लेकर जारी किया प्रस्ताव

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने वीजा को लेकर एक नए कदम उठाए हैं जिनका असर अमेरिका में रहने वाले वीजा धारकों पर पड़ेगा। अमेरिका में एक प्रस्तावित सरकारी नियम जारी किया गया है। इस नियम के तहत अब छात्रों, एक्सचेंज विजिटर्स और विदेशी पत्रकारों के लिए वीजा की समय सीमा तय होगी। प्रस्तावित नियम के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय छात्रों, एक्सचेंज विजिटर्स और मीडिया कर्मियों को अब निश्चित अवधि के लिए ही वीजा मिलेगा। इस नए कदम से अंतरराष्ट्रीय छात्रों, एक्सचेंज विजिटर्स और विदेशी पत्रकारों के लिए नई मुश्किलें खड़ी होंगी।

पहले अगर कोई स्टूडेंट (स्न वीजा पर) अमेरिका पढ़ाई करने गया है, तो उसका वीजा उसकी पढ़ाई पूरी होने तक मान्य रहता था। अगर कोई एक्सचेंज विजिटर (छ्व वीजा पर) किसी सांस्कृतिक या रिसर्च प्रोग्राम के लिए गया है, तो उसका वीजा उस प्रोग्राम की अवधि तक मान्य होता था। अगर कोई पत्रकार (ढ्ढ वीजा पर) अमेरिकी मीडिया में काम करने गया है, तो उसका वीजा उसकी नौकरी रहने तक वैध रहता था। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा और वीजा की एक समय सीमा तय होगी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और इस्लामाबाद में लगे भूकंप के झटके

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और इस्लामाबाद में बुधवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप आया , जियो न्यूज ने पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) का हवाला देते हुए बताया। भूकंप पेशावर , स्वात, मलकंद , स्वाबी और मनसेहरा तथा अन्य निकटवर्ती क्षेत्रों में दर्ज किया गया, तथा इसके झटके पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान के घीजर जिले के गहकुच शहर तक महसूस किये गये । पाकिस्तान मौसम विभाग ने बताया कि भूकंप का केन्द्र अफगानिस्तान के हिन्दू कुश क्षेत्र में था। भूकंप में किसी के हताहत होने या क्षति की सूचना नहीं मिली है। इससे पहले, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार तड़के पाकिस्तान में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया।

पीवी सिंधू का कमाल, मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने एक बार फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार को मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया.

पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी.

इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया.

अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इस 16वीं वरीय भारतीय जोड़ी का सामना हांगकांग के तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा.

सिंधू मंगलवार को पहले दौर के मैच में बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा के खिलाफ कुछ मुश्किलों से जूझ रही थीं और लेत्शाना के खिलाफ भी उन्हें लय हासिल करने में दिक्कत हुई. वह शुरू में मलेशियाई खिलाड़ी को दबाव में नहीं ला सकीं और पिछड़ती रहीं. पर अंत में वापसी करने में सफल रहीं.

लेत्शाना आक्रामक शुरुआत की जिससे सिंधू 1-4 से पीछे हो गईं. मलेशियाई खिलाड़ी ने दबदबा कायम रखते हुए अपने च्डाउन-द-लाइन स्मैशज् और तेज च्नेट प्लेज् से ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली.

तकनीकी और शारीरिक रूप से मजबूत लेत्शाना के आक्रामक खेल ने सिंधू की अनिरंतरता को उजागर कर दिया. भारतीय खिलाड़ी पिछड़ती रहीं. मलेशिया की खिलाड़ी 18-12 के स्कोर पर नियंत्रण बनाए थीं. पर यहीं सिंधू ने वापसी की. उन्होंने लगातार छह अंक बनाकर स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया जिसमें लेत्शाना की एक गलती का भी उन्हें फायदा मिला. मलेशियाई खिलाड़ी दबाव में एक स्मैश वाइड कर बैठीं.

फिर सिंधू ने 19-19 के स्कोर पर संयम बनाए रखा और एक बेहतरीन स्मैश लगाकर च्गेम प्वाइंटज् हासिल किया. मैच में पहली बार सिंधू आगे निकलीं. भारतीय खिलाड़ी ने बैकलाइन पर लेत्शाना की कमजोर प्रतिक्रिया से अंक हासिल किया. उन्होंने फिर प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी के एक और शॉट को लंबा भेजने से गेम अपने नाम कर लिया. सिंधू ने फिर दूसरे गेम में भी यही लय जारी रखते हुए 5-1 से बढ़त हासिल कर ली.

अमेरिका का फाइटर जेट एफ-35 हुआ क्रैश

नई दिल्ली। अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू फाइटर जेट को दुनिया के सबसे एडवांस फाइटर जेट्स में से एक माना जाता है। लेकिन, हाल के दिनों में भारत और जापान में इस फाइटर प्लेन की जैसी तस्वीरें देखने को मिली हैं वो हैरान करने वाली हैं।

अब अमेरिकी वायुसेना का स्न-35 फाइटर जेट अलास्का में क्रैश हो गया है। प्लेन के क्रैश होने से पहले पायलट ने वो हरसंभव कोशिश की जिससे विमान को बचाया जा सके। विमान में आई खराबी को ठीक करने के लिए पायलट इंजीनियरों के साथ हवा में 50 मिनट तक कॉन्फ्रेंस कॉल में लगा रहा। आखिर में जब वो असफल रहा तो उसे पैराशूट की मदद से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा। पायलट के विमान से इजेक्ट होते ही एडवांस फाइटर जेट के पतंग की तरह लहराते हुए जमीन पर आ गिरा। जमीन पर गिरने के बाद विमान में आग लग गई और जोरदार धमाका भी हुआ। हादसे के दौरान पास ही एक मालवाहक विमान भी खड़ा था। गनीमत रही कि फाइटर प्लेन अन्य विमानों से दूर गिरा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें पायलट को पैराशूट से नीचे उतरते हुए देखा जा सकता है।

रूस ने यूक्रेन पर फिर किया घातक हमला, राजधानी कीव को बनाया निशाना; 12 की मौत 48 घायल

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। जंग के बीच रूस की ओर से यूक्रेन के कई शहरों पर लगातार घातक अटैक किए जा रहे हैं। इस बीच रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर एक बार फिर बड़ा हमला क्या है। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि रूस की ओर से मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं। ये हमले रूस ने बृहस्पतिवार तड़के किए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से किए गए हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है और 48 अन्य घायल हुए हैं। कीव के शहरी प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने बताया कि मृतकों में 14 वर्षीय किशोर भी शामिल है। त्काचेंको ने बताया कि एक आवासीय इमारत पर सीधा हमला हुआ है। उन्होंने कहा, सबकुछ नष्ट हो गया है।

स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इस हमले से राजधानी में 20 से ज्यादा इलाके प्रभावित हुए हैं। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल मौके पर मौजूद हैं। बृहस्पतिवार का हमला, यूक्रेन में तीन साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा के लिए इस महीने की शुरुआत में अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के बाद से कीव पर हुआ पहला बड़ा हमला है।

इस बीच खबरें इस तरह की भी हैं कि रूसी सेना ने डोनेस्क प्रांत के निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के कई गांवों पर कब्जा कर लिया है। जिस इलाके पर रूसी सेना ने कब्जा किया है वह यूक्रेन का बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। यूक्रेन का यह आठवां भाग है जहां पर रूसी सेना लड़ते हुए आगे आई है। इतना ही नहीं डोनेस्क के कई मोर्चों पर रूस और यूक्रेन की सेनाओं में भीषण लड़ाई भी चल रही है।

श्रीलंका ने किया टी20 स्क्वाड का एलान, चरिथ असलंका की कप्तानी में इन 17 खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली। क्रिकेट एशिया कप 2025 से पहले श्रीलंका क्रिकेट टीम ज़िम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी, इसके लिए श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को स्क्वाड का एलान किया. चरिथ असलंका की कप्तानी में 17 सदस्यीय टीम में कुशाल परेरा, कुशाल मेंडिस, कमिंडू मेंडिस, महेश दीक्षाना शामिल हैं. संभव है कि यही एशिया कप के लिए भी श्रीलंका का स्क्वाड होगा. श्रीलंका क्रिकेट टीम एशिया कप के ग्रुप बी में शामिल है. इस ग्रुप में उनके साथ अफगानिस्तान, बांग्लादेश और हांगकांग की टीम हैं. एशिया कप से पहले श्रीलंका की टीम ज़िम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी. इससे पहले शुक्रवार को पहला वनडे खेला जाएगा. दौरे पर श्रीलंका 2 वनडे मैच भी खेलेगी, उसके बाद पहला टी20 3 सितंबर को खेला जाएगा.

श्रीलंका टी20 स्क्वाड में शामिल प्लेयर्स

चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसांका, कुशाल मेंडिस, कुशल परेरा, नुवानीडु फर्नांडो, कामिन्दु मेंडिस, कामिल मिश्रा, विशेन हलम्बेज, डसून शनका, डुनिथ वेललेज, चामिका करुणारत्ने, महीश तीक्षणा, दुशान हेमंथा, मथीशा पथिराना, नुवान तुषारा, दुश्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो बांग्लादेश बनाम श्रीलंका पहला टी20 बुधवार, 3 सितंबर, दूसरा टी20 शनिवार, 6 सितंबर और तीसरा टी20 रविवार, 7 सितंबर को खेला जाएगा. सभी मैच भारतीय समयनुसार शाम 5 बजे से शुरू होंगे. तीनों टी20 हरारे स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले जाएंगे.एशिया कप में श्रीलंका का शेड्यूल क्रिकेट एशिया कप 2025 का पहला मैच मंगलवार, 9 सितंबर को अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच खेला जाएगा. दूसरा मैच टीम इंडिया और यूएई के बीच 10 सितंबर को होगा. श्रीलंका क्रिकेट टीम का पहला मैच शनिवार, 13 सितंबर को शेख ज़ायद क्रिकेट

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए बोली लगाएगा भारत पीएम मोदी ने अहमदाबाद के नाम पर लगाई मुहर

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अहमदबर में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए बोली लगाने को मंजूरी दे दी है. ये फैसला 27 अगस्त को लिया गया, जिसके लिए सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए और भारत की बोली मंजूर होने पर गुजरात सरकार को सहायता देने पर भी सबकी मंजूरी शामिल रही.

राष्ट्रमंडल खेलों में 72 देशों के एथलीटों द्वारा भाग लेने की उम्मीद है और दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में भी खेल खेले जा सकते हैं. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने युवा मामले एवं खेल मंत्रालय को बोली की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का अधिकार दे दिया है. मेजबानी पाने के प्रयासों के लिए अलग-अलग मंत्रालयों, प्राधिकरणों और विभागों से आवश्यक गारंटियों पर हस्ताक्षर शामिल हैं.गुजरात के अहमदाबाद को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए प्रस्तावित शहर के रूप में चुना गया है. अहमदाबाद का बुनियादी ढांचा, जिसमें नरेंद्र मोदी स्टेडियम भी आता है, जिसने अपनी बड़े इवेंट की मेजबानी करने की क्षमता को तब साबित किया, जब वहां 2023 ह्रष्ट्ढ्ढ वर्ल्ड कप फाइनल का सफल आयोजन हुआ था.

आमतौर पर जब इस स्तर का इवेंट आयोजित होते है, तो उसमें दुनिया भर के एथलीट, कोच, टीम ऑफिशियल्स, कर्मचारी, टूरिस्ट और मीडिया कर्मचारी भी आते हैं. अगर भारत को मेजबानी मिलती है तो इससे क्षेत्र को आर्थिक दृष्टि से बहुत मुनाफा हो सकता है.

प्रेस सूचना ब्यूरो ने एक प्रेस रिलीज जारी करके बताया राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन सिर्फ खेल जगत में भारत का नाम ऊंचा नहीं करेगा, बल्कि इससे टूरिजम को बढ़ावा मिलेगा, लोगों को नौकरियां मिलेंगी और युवा एथलीटों को प्रेरणा भी मिलेगी. राष्ट्रमंडल खेलों में वे देश भाग लेते हैं, जिनपर कभी ब्रिटिश राज हुआ करता था.

एशिया कप से बाहर हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान शुभमन गिल की तबियत अचानक खराब हो गई, उन्हें वायरल बुखार हो गया है. एशिया कप 9 सितंबर से 28 सितंबर के बीच यूएई में खेला जाएगा, भारत का पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के साथ है. इसके बाद 14 सितंबर को भारत की भिड़ंत पाकिस्तान के साथ होनी है. हालांकि गिल एशिया कप से पहले रिकवर कर लेंगे.

वायरल बुखार होने के बाद शुभमन गिल दलीप ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं. बता दें कि गिल दलीप ट्रॉफी में नार्थ जॉन टीम के कप्तान चुने गए थे. लेकिन बुखार होने के बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा और अब बतौर कप्तान उनकी जगह अंकित कुमार लेंगे. टाइम्स ऑफ़ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार गिल अब ठीक हो रहे हैं और जल्द ही अभ्यास शुरू कर देंगे. उनकी ब्लड रिपोर्ट में भी कोई बड़ी समस्या नहीं आई है. उम्मीद है कि वह जल्द ही पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएंगे.

शुभमन गिल के दलीप ट्रॉफी से बाहर होने के बाद नार्थ जाने टीम की कप्तानी हरियाणा के अनकूट कुमार संभालेंगे, वह पहले टीम के उपकप्तान थे.

शेष प्रथम पेज

बस्तर संभाग में बारिश का तांडव....

श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड में एक पुराने घर का पहला मंजिल धंस गया, जिसकी जानकारी लगते ही परिजन बाहर निकाले। दूसरी ओर सुकमा के यहां के 611 से ज्यादा राहत शिविरों में लोग को सुरक्षित रखा गया है। यहां पर हर तरह की मूलभूत सुविधाओं का ख्याल रखा जा रहा है। जिला प्रशासन ने भोजन और ठहरने की पुख्ता व्यवस्था की है। लगातार बारिश होने से नदी और नालों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने लोगों से अपील की है कि स्थिति सामान्य होने तक वो अनावश्यक यात्रा से बचें। वहीं एनडीआरएफ की टीम ने बाढ़ और बरसात में फंसे 611 से ज्यादा लोगों की जान बचाई है। अधिकारियों ने बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा, दरभा और तोकापाल विकासखंडों में प्रशासन लगातार राहत कार्य चला रहा है। लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम मांदर से 21 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया है। हेलीकॉप्टर और नाव की मदद से भी ग्रामीणों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। पिछले 24 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एसडीआरएफ को हाई अलर्ट पर रखा जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने संभाग के सभी कलेक्टरों को निचले इलाकों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क करने और सुरक्षित स्थानों पर जल्द पहुँचाने के निर्देश भी दिए। राहत कार्यों में जुटे प्रशासनिक अमले, एसडीआरएफ और पुलिस बल के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार हर प्रभावित तक सहायता पहुँचाने और किसी को भी संकट में अकेला न छोड़ने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। लगातार बारिश से छत्तीसगढ़ के चार जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है।

बीजापुर में आसमानी आफत....

सुरोखी की प्राथमिक शाला भवन में अस्थायी रूप से शरण दी है, जहां भोजन और पानी की व्यवस्था की गई है। तहसीलदार सूर्यकांत धरत के मुताबिक बारिश और बाढ़ के कारण कोसलनार, मंगनार, बेलनार और बांगोली पंचायतों के लगभग 15 गांवों में अभी भी बिजली आपूर्ति ठप है। साथ ही इन गांवों से सड़क संपर्क मार्ग पहले से ही बंद पड़े हैं। प्रशासनिक दल मौके पर मौजूद हैं और लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। गांवों में स्वास्थ्य टीमों की तैनाती की जा रही हैं और प्रभावितों को हर संभव मदद पहुंचाई जा रही है। हालांकि, मौसम विभाग ने आने वाले 24 घंटों में भी भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे चिंता और बढ़ गई है।

जापान से ही सीएम साय ने ली....

बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बस्तर में राहत और बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रभावित परिवार को असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी सक्रियता से कार्य करे । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान बस्तर संभाग में आई बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और जरूरी निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ में निवेश करेंगी कोरियाई....

को लेकर उत्साहित हैं और आने वाले समय में साझेदारी के ठोस कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सहयोग से छत्तीसगढ़ के किसानों, श्रमिकों और स्थानीय उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश से रोजगार के हजारों अवसर सृजित होंगे। साथ ही, तकनीकी हस्तांतरण से स्थानीय उद्योगों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी।

सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी...

दी जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई और एक मुठभेड़ शुरू हुई जिसमें दो आतंकवादियों को मार गिराने में सफलता हासिल हुई। घाटी में सेना की कमान संभालने वाली श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर कहा कि ऑपरेशन नौशेरा नार IV, बांदीपोराः संभावित घुसपैठ के प्रयास के बारे में जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा दी गई खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने गुरेज सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और उन्हें चुनौती दी जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैनिकों ने प्रभावी जवाबी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। अभियान जारी है। बता दें कि इससे पूर्व उत्तरी कश्मीर के सीमांत जिले बारामुला के उड़ी सेक्टर में 25 अगस्त को सतर्क जवानों ने एलओसी के करीबी एक आतंकवादी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया गया। उरी सेक्टर के टोरना क्षेत्र में एलओसी के पास सेना के जवानों को संग्दिग्ध हरकत देखने को मिली। इस दौरान जवानों ने उन्हें ललकारा लेकिन इस दौरान दोनों पक्षों के बीच कुछ देर फायरिंग हुई जिसके बाद इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। वहीं इससे पहले 13 अगस्त को उड़ी सेक्टर में एलओसी पर पाकिस्तानी सैनिकों की बॉर्डर एक्शन टीम (बैट) के हमले में एक सेना का जवान शहीद हो गया था।

बिहार में जेडीयू लड़ेगी सर्वाधिक....

हुआ है। सीटों के बंटवारे का आधिकारिक ऐलान अभी नहीं हुआ, लेकिन सभी दलों को जानकारी दे दी गई है। जल्द ही संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। कौन सी पार्टी किन सीटों पर लड़ेगी, इस पर फैसला होना अभी बांकी है। 2020 में बीजेपी ने 110 सीटें लड़कर 74 सीटें जीत ली थी। जबकि, जेडीयू ने 115 सीटों में से महज 43 सीटें जीत पाई थी। चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी गठबंधन से अलग 100 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन एक भी नहीं जीत पाई। 2015 के चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू लालू यादव की आरजेडी के साथ मिलकर लड़ी और करीब 70 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी।

जापान रवाना हुए पीएम, कहा- रणनीतिक ....

प्रयास करेंगे। यह यात्रा हमारे सभ्यतागत बंधनों और सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने का भी अवसर होगी जो हमारे लोगों को परस्पर जोड़ते हैं। पीएम ने कहा कि जापान से मैं राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन जाऊंगा। भारत एससीओ का सक्रिय और रचनात्मक सदस्य है। अपनी अध्यक्षता के दौरान हमने नवाचार, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में नए विचार पेश किए हैं और सहयोग की पहल की है। उन्होंने कहा कि भारत साझा चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्रीय सहयोग को प्रगाढ़ करने के लिए एससीओ सदस्यों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति शी चिनफिंग, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य नेताओं से मिलने के लिए भी उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि जापान और चीन की ये यात्राएं हमारे राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को और मजबूत करेंगी तथा क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा और सतत विकास को आगे बढ़ाने में सार्थक सहयोग स्थापित करेंगी।

कहीं कोई झगड़ा नहीं, केंद्र के साथ....

इस बात पर जोर दिया कि एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में शामिल होकर सामाजिक एकता मजबूत होती है, साथ ही प्रेम और करुणा बढ़ती है। संघ प्रमुख ने कहा कि विवाद या भड़काऊ स्थिति में कानून हाथ में नहीं लेना चाहिए, बल्कि कानूनी व्यवस्था पर भरोसा करना चाहिए। हमारे देश की विविध संस्कृति में विभिन्न जाति, पंथ, और समुदाय के लोग रहते हैं. इन सबके बीच सौहार्द बनाए रखने और संबंध मजबूत करने के लिए एक-दूसरे के पर्व-त्योहारों में सम्मिलित होना बहुत जरूरी है। उन्होंने समझाया कि ऐसा करने से सामाजिक दूरियां घटती हैं और विश्वास बढ़ता है। इसके साथ ही समाज में प्रेम और करुणा की भावना पनपती है। दूसरों की खुशियों में शामिल होने से समाज में समरसता आती है और आपसी भेद-भाव कम होते हैं। संघ प्रमुख ने कहा, हमारा हर सरकार, राज्य सरकारों और केंद्र सरकारों, दोनों के साथ अच्छा समन्वय है। लेकिन कुछ व्यवस्थाएं ऐसी भी हैं, जिनमें कुछ आंतरिक विरोधाभास हैं। कुल मिलाकर व्यवस्था वही है, जिसका आविष्कार अंग्रेजों ने शासन करने के लिए किया था। इसलिए, हमें कुछ नवाचार करने होंगे। फिर, हम चाहते हैं कि कुछ हो। भले ही कुर्सी पर बैठा व्यक्ति हमारे लिए पूरी तरह से समर्पित हो, उसे यह करना ही होगा और वह जानता है कि इसमें क्या बाधाएं हैं। वह ऐसा कर भी सकता है और नहीं भी। हमें उसे वह स्वतंत्रता देनी होगी। कहीं कोई झगड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सच नहीं है कि आरएसएस भाजपा के लिए फैसले लेता है।

मैंने कभी नहीं कहा 75 साल होने....

तय करते तो इतना समय लगता क्या ? फिर आगे कहा- टेक योर टाइम।(अपने समय से फैसला लीजिए) संघ के तीन दिवसीय कार्यक्रम में गुरुवार को होनेवाले प्रश्नोत्तर काल ही इंतजार किया जा रहा था। खासकर भाजपा के साथ कथित मतभेद और इसके कारण भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में होने वाली देरी और और 75 साल की उम्र में रिटायर होने के मुद्दे पर। लेकिन भागवत ने जहां मतभेद को खारिज किया वहीं यह भी स्पष्ट कर दिया कि संगठन जब तक चाहता है कि नेतृत्व को काम करना होता है। उन्होंने सफाई दी कि मोरोपंत पिंगले की किताब का विमोचन करते हुए उन्होंने पिंगले के बयानों का हवाला दिया था जो उन्होंने 75 साल पूरे होने पर दिए थे। इसका दूसरा अर्थ निकाले जाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं कहा कि 75 होने पर मुझे या किसी और को रिटायर हो जाना चाहिए। संगठन तय करता है कि किसको कब क्या काम करना है। 80 वर्ष होने पर भी संगठन मुझे शाखा चलाने को कहेगा तो करना पड़ेगा।

मैंने कभी नहीं कहा 75 साल होने....

करना पड़ेगा। उन्हें अपना परिचालन चलाने के लिए वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ेगा। वे अल्पावधि में इस नकदी संकट से निपटने में मदद के लिए सरकार को पत्र लिख रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि उनके सुझावों को लागू करने का सबसे अच्छा तरीका निर्धारित करने के लिए सकारात्मक कार्य चल रहा है। उनके सुझाव सरकार के एजेंडे में हैं। हम निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को जल्द से जल्द लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि यह उद्योग को कुछ प्रोत्साहन और समर्थन दे सके। हमें लचीली आपूर्ति शृंखलाएं बनाने की आवश्यकता है, चाहे वे निर्यात आपूर्ति शृंखलाएं हों या आयात आपूर्ति शृंखलाएं। अधिकारी ने कहा, हर चुनौती या संकट एक नया अवसर होता है। इसलिए यह उद्योग के लिए एक चेतावनी है। सरकारों, सभी से यह देखने का आग्रह है कि हम अपने निर्यात में विविधता कैसे ला सकते हैं...।

जब तक मैं जिंदा हूं, किसी को....

किया कि आयोग का अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान के तीन महीनों तक है, पूरे साल नहीं। आगे बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंगालियों द्वारा निभाई गई भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर बंगाली भाषा ही नहीं है, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं? वे चाहते हैं कि लोग स्वतंत्रता संग्राम में बंगालियों की ऐतिहासिक भूमिका को भूल जाएं। हम इस भाषाई आतंक को बर्दाश्त नहीं करेंगे इस दौरान सीएम ममता ने बिना नाम लिए वीर सावरकर पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सावरकर को अंग्रेजो का एजेंट बताते हुए कहा कि उन्होंने जेल से बाहर निकलने के लिए वचन दिए था। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जहां उनके प्रशासन ने कई सामाजिक कल्याणकारी पहल चलाई हैं, वहीं केंद्र की भाजपा सरकार विकास के नाम पर भ्रष्टाचार में लिप्त है। ममता बनर्जी ने कहा कि हम महिलाओं के लिए लक्ष्मी भंडार योजना लेकर आए हैं, जबकि भाजपा के पास भ्रष्टाचार भंडार है। उन्होंने केंद्र पर भाई-भतीजावाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार देश को लूट रही है।

मोदी जी ट्रंप के सामने झुकिए मत....

ये ड्यूटी केवल 40 दिनों (19 अगस्त से 30 सितंबर तक) तक हटाई गई है। ये देश के किसानों के साथ बहुत बड़ा धोखा है। अब जो अमेरिका से कपास आएगी वो भारत के किसानों के कपास से सस्ती होगी। तो भारत के किसान कहां जाएंगे और किसानों का कपास कौन खरीदेगा। केजरीवाल ने कहा भारत के किसान और उद्योग को बर्बाद करके अमेरिका के हित साधने की कौन सी मजबूरी है ये ? एजेंडा क्या है? ये सिर्फ़ किसानों का नहीं, भारत के 140 करोड़ लोगों के सम्मान का सवाल है। पहले अमेरिका से आने वाली कॉटन/कपास पर 11 प्रतिशत टैक्स लगता था, लेकिन अब वो टैक्स हटा दिया गया है। नतीजा, अमेरिका की सस्ती कॉटन धड़ाधड़ भारत आएगी और हमारे किसानों की कपास खेत में ही सड़ जाएगी। अक्टूबर में जब हमारे किसान अपनी कपास लेकर मंडी पहुँचेंगे, तो उनके लिए कोई खरीदार ही नहीं बचेगा। गुजरात हो या विदर्भ, पंजाब हो या तेलंगाना...हर जगह का किसान बर्बाद होगा। उनकी सालभर की मेहनत मिट्टी में मिल जाएगी।

भारत और कनाडा ने...

अलगाववाद से जुड़े मुद्दों और राजनीतिक बयानों ने रिश्तों में खटास ला दी थी। दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा और प्रवासी भारतीयों के कारण गहरे रिश्ते हैं, लेकिन राजनीतिक मतभेद के चलते संवाद मुश्किल दौर में है। ऐसे समय में दिनेश पटनायक की नियुक्ति को बेहद अहम माना जा रहा है। कनाडा में करीब 16 लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो वहां की आबादी का बड़ा हिस्सा हैं। शिक्षा और कारोबार में भी भारतीय युवाओं की मजबूत मौजूदगी है। ऐसे में उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी कि दोनों देशों के बीच संवाद को सकारात्मक दिशा दें और रिश्तों में आए तनाव को दूर करें। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि दोनों देशों के राजनीतिक मतभेदों को किनारे कर सहयोग के रास्ते तलाशना, खासकर व्यापार, शिक्षा, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में। कनाडा सरकार के मुताबिक, यह कदम दोनों देशों के बीच राजनयिक सेवाओं को बहाल करने और व्यापारिक व नागरिक जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक अहम पहल है। कनाडाई विदेश विभाग के अनुसार, क्रिस्टोफर कूटर के पास कूटनीति का 35 साल का अनुभव है। उन्होंने हाल ही में इस्राइल में कनाडा के चार्ज डी अफेयर्स के तौर पर काम किया है।

देश की ऊर्जा और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला में अग्रणी भूमिका निभा रहा है दपूमरे

लीड पेज 3 (25 अगस्त 2025)

राजनांदगांव (दावा)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने माल लदान के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। आज 22 अगस्त को मात्र 144 दिनों में 100 मिलियन टन माल लदान कर दपूमरे ने अब तक की सबसे तेज 'सेंचुरी' बनाई है। वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 188 दिनों में वर्ष 2022.23 में 175 दिनों में, वर्ष 2023.24 में 164 दिनों में तथा गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 151 दिनों में पूरा हुआ था। वहीं इस वर्ष केवल 144 दिनों में यह उपलब्धि अर्जित की गई है। यह उपलब्धि देश की ऊर्जा जरूरतों, कोयला आधारित पावर प्लांट्स, इस्पात उद्योगों तथा विभिन्न कारखानों को सतत और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए हासिल की गई है। इस अवधि में पिछले वर्ष की तुलना में 4.57 मिलियन टन (4.79) की वृद्धि दर्ज की गई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 22 अगस्त तक दपूमरे, भारतीय रेलवे में दूसरे सबसे अधिक प्रारंभिक माल लदान के साथ कुल माल लदान में 15.83 का योगदान दे रहा है। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कोयले के लदान में 5.98, इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चे माल में 12.10, पिग आयरन और तैयार स्टील में 7.56, सीमेंट में 1.13, खाद्यान्न में 4.78ः तथा खनिज तेल में 23.17ः की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि बीओजी बॉटल्ड ऑक्सीजन गैस के लदान में 17.58 की बढ़ोतरी हुई है।

माल लदान में दपूमरे ने हासिल की उल्लेखनीय उपलब्धि
दपूमरे ने मात्र 144 दिनों में किया 100 मिलियन टन माल लदान

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत रेल मंडलों के प्रदर्शन में बिलासपुर मंडल ने 4.58, नागपुर मंडल ने 19.23 और रायपुर मंडल ने 0.24 की वृद्धि दर्ज की है। विशेष रूप से बिलासपुर मंडल ने चालू वित्त वर्ष 2025.26 के दौरान 74.25 मिलियन टन प्रारंभिक माल लदान कर भारतीय रेलवे के सभी डिवीजनों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। माल लदान की इस उपलब्धि के साथ ही दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने गत 28 जुलाई को मात्र 119 दिनों में 10,000 करोड़ का प्रारंभिक माल भाड़ा राजस्व अर्जित किया था, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 7 दिन पहले हासिल हुआ। ये दोनों उपलब्धियां यात्री परिवहन सुनिश्चित करने के साथ-साथ अर्जित की गई हैं, जो दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की संतुलित संचालन क्षमता और व्यवस्थागत दक्षता को दर्शाती हैं। दपूमरे में आधारभूत संरचना के वृहद स्तर पर किए गए विकास कार्यों जैसे लाइन दोहरीकरण, तीसरी-चौथी लाइन निर्माण, विद्युतीकरण और यार्ड सुधार ने इन उपलब्धियों को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कई निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके हैं और कई प्रगति पर हैं, जिनसे यात्री यातायात एवं माल परिवहन दोनों क्षेत्रों को सीधा लाभ मिल रहा है। यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने छुट्टियों, त्यौहारों तथा विशेष अवसरों पर स्पेशल रेलगाड़ियों का संचालन भी सुनिश्चित किया है। हाल ही में रथयात्रा पर्व के अवसर पर स्पेशल ट्रेनें चलाई गई। इसके अतिरिक्त श्रावण मास के दौरान श्रावणी स्पेशल ट्रेनें, रक्षाबंधन पर्व पर राखी स्पेशल ट्रेन तथा आगामी तीज उत्सव पर तीज स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। इसी प्रकार आगामी दुर्गा पूजा पर्व पर भी पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा, ताकि यात्रियों और श्रद्धालुओं को निर्बाध एवं आरामदायक यात्रा का अनुभव मिल सके। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे दपूमरे द्वारा सेवाओं को सुलभ बनाने, सेवा गुणवत्ता में सुधार लाने तथा त्वरित निर्णय लेने जैसी पहलें रही हैं। प्रतिस्पर्धी दरों पर सेवा उपलब्ध कराना और सेवा वितरण में सुधार भी इस सफलता का प्रमुख आधार रहा है। दपूमरे भविष्य में भी रेल यात्रियों की सुविधाओं, देश की औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति और भारतीय रेल के राजस्व में सतत योगदान हेतु अपने समर्पण और कार्यक्षमता के साथ अग्रसर रहेगा।

हरडुवा में पोला पर्व एवं राम सताह का आयोजन

राजनांदगांव। हरडुवा मे पोला पर्व एवं राम सताह का आयोजन रखा गया जिसमें बड़ो से लेकर बच्चों का कार्यक्रम हुआ मटका फोड मे 20 लोगो ने भाग लिया जिसमें प्रथम सलीम खान, द्वितीय रितेश्वर शान ने बाजी मारी इसके बाद स्लो बाईक का आयोजन हुआ जिसमें 25 प्रतिभागीयों ने भाग लिया जिसमें प्रथम साहील खान, द्वितीय वर्मा, तृतीय यादेश वर्मा, चतुर्थ टोमन वर्मा ने पुरूस्कार प्राप्त किया।

इसी तरह, बोरा दौड़ का कार्यक्रम हुआ इस अवसर पर ग्राम हरडुवा संरपच गंगेश्वर वर्मा उपसरंपच डॉ. ऋषि वर्मा, पूर्व संरपच मुकेश शान भाजपा मिडिया प्रभारी, तोषण सिंहा, मेघनाथ वर्मा, राजेश शान, यादेश वर्मा, तुलसी वर्मा, शुभम सिंहा, भीषम वर्मा, सकील खान, गोलु सिन्हा, प्रभु वर्मा, देवा बादशाह, हर्ष वर्मा, रोहित वर्मा, यशवंत वर्मा एवं ग्राम वासियों की उपस्थिति रही। रोहित वर्मा ने बताया की गाँव मे महावीर चौक में भगवान श्री कृष्ण की भजन भक्ति कर सभी देवो से प्रार्थनाकर गांवो की प्रगति के लिए राम सताह का आयोजन ग्रामवासियों के सहयोग से सम्पन्न हुआ ।

संगीत सम्राट रायगढ़ नरेश राजा चक्रधर सिंह जी को भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च नागरिक सम्मान मरणोपरान्त दिया जाए - डॉ. कृष्ण कुमार सिन्हा

राजनांदगांव छत्तीसगढ़। आज से 90 वर्ष पूर्व 20 से 40 के दशकों में जनजातिय वनवासी, आदिवासी राजा चक्रधर सिंह ने मात्र 46 वर्ष की अल्पआयु में ही अपने 23 वर्षों के शासन काल में साहित्य एवं संगीत नृत्य के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान दिया है। वनवासी आदिवासी राज्य रायगढ़ में 1924 से 1947 तक छत्तीसगढ़ जैसे पिछड़ा वर्ग क्षेत्र में कला संस्कृति व साहित्य की प्रवाह का केन्द्र बिन्दू रायगढ़ दरबार ही रहा है।

अपने पिता महाराजा भूपदेव सिंह जी से कला संस्कृति विरासत में पाकर विलक्षण प्रतिभा के धनी राजा चक्रधर सिंह संगीत और नृत्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वैसे तो यह संगीत की तीनों विद्या गायन, वादन और नृत्य के ज्ञाता थे। उन्होंने संगीत नृत्य और साहित्य को वे अपने इष्टदेव मानते थे और उन्होंने अपने दरबार को मां सरस्वती का पवित्र मंदिर मानते थे और राजा चक्रधर सिंह एक धर्म निरपेक्ष राजा थे और सभी धर्मों का सम्मान किया करते थे। महाराज चक्रधर सिंह संस्कृत, हिन्दी, ब्रज, उर्दु और अंग्रेजी भाषा साहित्य के विद्वान ही नहीं बल्कि उच्चकोटि के रचनाकार भी थे और हिन्दी में चक्रपिया के नाम से और उर्दु में फरहत के नाम से रचना करते थे। उन्होंने चक्रपिया के नाम से ठुमरी, भजन, बंदिशों आदि अनेकों रचनाओं का भी सृजन किया।

राजा साहब एक अच्छे कुशल ताण्डव नृत्य अंग के जानकार भी थे। राजपद के कारण प्रदर्शन में भाग नहीं लेते थे और यही कारण है कि उन्होंने अनेकों नृत्य बंदिशों की रचना किए और

रायगढ़ दरबार नृत्य परंपरा को समृद्धशाली किये। उन्होंने केवल बंदिशों की ही रचना नहीं किये बल्कि कथक नृत्य के शास्त्र पक्ष को भी मजबूती प्रदान किये और नृत्य जगत को नर्तन सर्वश्रम एवं मुरज पर्ण पुष्पाकर नामक ग्रंथ की रचना कर विश्व पटल में अपना नाम अंकित किये और यह दोनों ग्रंथ कथक नृत्य का समृद्धशाली शास्त्र एवं प्रायोगिक पक्ष को मजबूती प्रदान किये हैं। राजा साहब नृत्य के जानकार होने के साथ साथ वह संगीत (गायन) तबला व पखावज के भी अच्छे जानकार थे और यहीं कारण है कि उन्होंने संगीत के लिए हजारों राग रागिनियों की रचना किये बल्कि राग रत्न मंजूषा ग्रंथ की रचना किये और साथ ही ताल तोए निधी ग्रंथ की रचना किये। तालबल पुष्पाकर नामक तबला और पखावज के लिए उन्होंने ताल तोए निधी ग्रंथ की रचना किए। जो कि 32 (बत्तीस) किलो का वजनी ग्रंथ है।

ज्ञात हो कि राजस्थान और लखनऊ जैसे वैभवशाली राजा और नवाबों के बाद छत्तीसगढ़ के वनवासी आदिवासीय गोड़ दूरदर्शी महाराजा चक्रधर सिंह ने संगीत नृत्य में संस्थागत शिक्षण प्रणाली में प्रायोगिक के साथ साथ शास्त्र पक्ष को मजबूती से अपने ग्रंथों में स्थान देकर उन्होंने सनातन सांस्कृतिक संगीत नृत्य और साहित्य की सृजनकर संगीतिक परंपरा को समृद्धी प्रदान करते हुए शिक्षण, संरक्षण और संवर्धन कर कला जगत को अनुपम भेंट किये। आज इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से राजा चक्रधर सिंह जी के नाम से विगत 43 वर्षों से स्थापित मध्य भारत एवं छत्तीसगढ़ का प्रथम स्नातक संगीत महाविद्यालय चक्रधर कत्थक कल्याण केन्द्र राजनांदगांव (छ.ग.) के संस्थापक डॉ. कृष्ण कुमार सिन्हा यह अपील करते है कि राजा चक्रधर सिंह जी को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने की आप सभी महानुभवों से सादर अपील करते हैं। उपरोक्त प्रेस विज्ञप्ति संस्था के तुषार सिन्हा ने दी। मो. 9827-91546

जर्जर सड़क में रोपा लागकर कांग्रेसियों ने किया विरोध प्रदर्शन

गंडई पंडरिया (दावा)। ग्राम पंचायत पेंडरवानी में बुधवार 27 अगस्त को खराब एवं जर्जर सड़क के विरोध में ब्लाक कांग्रेस कमेटी गंडई द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।

साथ ही सुतियापाठ बैराज का पानी ग्राम पेंडरवानी के किसानों के खेतों में को न मिलने का भी विरोध किया। सबसे पहले कांग्रेसी और ग्रामीण धरना स्थल से जर्जर सड़क तक पैदल चलकर गए।

फिर ग्रामवासियों द्वारा नायब तहसीलदार एवं अधिकारियों को पैदल ही जर्जर मार्ग को दिखाया गया। तत्पश्चात कांग्रेसियो एवं ग्रामवासियों द्वारा उक्त जर्जर सड़क पर रोपा लगाकर विरोध किया गया।

इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष लाल टारकेश्वर शाह खुशरो, ब्लाक अध्यक्ष भिन्नेश यादव,मोहसिन खान,विधायक प्रवक्ता अमित टंडन, ताराचंद बंजारे, दिनेश रजक, पूरन मरकाम, रिंकू दुबले, चुरावन टंडन,करन बंजारे, ब्यास वर्मा, शैलेंद्र दुबे,नरेश साहू, भूपेंद्र रजक, भूपेंद्र धुर्वे,श्याम साहू ,आत्मा धुर्वे नानू रजक, किसुन साहू, भुनेश्वर साहू, तिलक वर्मा, सुमन विश्वकर्मा, मुकेश साहू, दिलेश्वर साहू, राजकुमार, केदार ,रेवा रजक, होरी वर्मा इत्यादि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के शिक्षकों को आईआईटी जम्मू में प्रशिक्षण का अवसर

अंबागढ़ चौकी (दावा)। पीएम श्री योजना के तहत मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी-जिले के तीन शिक्षकों का चयन जम्मू-कश्मीर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू (आईआईटी जम्मू) में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के लिए हुआ है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 से 8 सितंबर तक चलेगा, जिसमें ये सभी शिक्षक आईआईटी जम्मू के प्रोफेसरों से शिक्षण कौशल सीखेंगे और अपने विद्यालयों में लागू करेंगे।

चयनित शिक्षकों में श्री गुमीत कुमार साहू (पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल (मानपुर), श्रीमती दुर्गेश्वरी (पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मोहला), श्रीमती रश्मि वर्मा (पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल अंबागढ़ चौकी), शामिल हैं। समग्र शिक्षा के राज्य प्रोग्राम कॉर्डिनेटर आशीष गौतम के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

इस कार्यक्रम में पूरे राज्य से लगभग 151 शिक्षक भाग लेंगे, जो प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने शिक्षण कौशल का विकास करेंगे और अपने विद्यालयों में बेहतर शिक्षा प्रदान करेंगे।

मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी जिले के शिक्षा विभाग ने चयनित शिक्षकों को बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कार्यशाला में सिखाया गया हर्बल गुलाल निर्माण की विधि

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. श्रीमती ई.व्ही. रेवती के दिशा-निर्देशन एवं पीएम उशा प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. आर.आर.कोचे एवं महिला प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. श्रीमती आशा चौधरी के नेतृत्व में महिला विकास पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत छात्राओं को हर्बल गुलाल निर्माण विधि की जानकारी दी गई। कार्यशाला का प्रारंभ मां सरस्वती के छात्राचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया। डॉ. आशा चौधरी द्वारा मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ भेटकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महिला समूह ग्राम रूसे जिला- खैरागढ़ की अध्यक्ष श्रीमती जमुना साहू उपस्थित रही। उन्होने छात्राओं को प्राकृतिक तरीके से गुलाल निर्माण की विधि की जानकारी प्रदान की। उन्होने बताया कि प्राकृतिक गुलाल त्वचा को सुरक्षित रखते हैं, हर्बल गुलाल बनाने के लिए अखरोट का पाउडर लगता है, इस गुलाल को बनाने में मात्र 70 से 80 रुपए खर्च आता है। पलास के फूलों से गुलाल बनाया जाता है। गुलाल बनाने के बाद उसे अच्छे से सूखाना पड़ता है, इसके अलावा चुकंदर से भी रंग बनाया जाता है, पालक की भाजी से हरा रंग बनता है, प्राकृतिक सामग्री से गुलाल बनाने की विधि अत्यंत सहज है। गुलाल निर्माण को स्वरोजगार का माध्यम बनाया जा सकता है

स्वरोजगार से हो सकते है आत्मनिर्भर - श्रीमती यमुना

महिला समूह ग्राम रूसे जिला- खैरागढ़ की अध्यक्ष श्रीमती यमुना ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस महिला समूह की ताकत को पद्मश्री फूलबासन यादव ने पहचाना। फूलबासन यादव ने केबीसी में 50 लाख रूपये जीते थे, इस 50 लाख की राषि से उन्होंने ग्राम चमेली में एक वृद्धाश्रम एवं हल्दी-मिर्च फैक्ट्री बनाई, इस फेक्ट्री में शुद्ध हल्दी-मिर्च पीसते हैं तथा पैकिंग कर समूह के माध्य से इसे बाजार में बेचा जाता है, जिससे महिला समूहों में कार्यरत महिलाओं को आय प्राप्त होती है एवं वे आत्मनिर्भर होती है। स्वरोजगार से परिवार का पालन पोषण कर सकते हैं और आत्मनिर्भर बना जा सकता है। छात्राएं इस कार्य के द्वारा स्व-रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ सकती है।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता श्रीमती यमूना को महाविद्यालय परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यशाला में बी.ए. अंतिम वर्ष एवं एम.ए. की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रही एवं लाभांवित हुई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीता राजपुत तथा अनिमा मिंज एवं आभार प्रदर्शन डॉ. सपना परिहार द्वारा किया गया।

विद्यार्थियों को ओरल हाइजीन के महत्व पर किया जागरूक

राजनांदगांव (दावा)। इंडियन डेंटल एसोसिएशन, राजनांदगांव शाखा द्वारा 28 अगस्त को गायत्री विद्यापीठ स्कूल में एक ओरल हाइजीन अवेयरनेस प्रोग्राम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में हमारे डेडिकेटेड वॉलेंटियर्स ने सक्रिय सहयोग दिया और विद्यार्थियों को 'ओरल हाइजीन के महत्व पर जागरूक किया' बच्चों को बताया गया कि - दैनिक जीवन में दाँतों और मुँह की सफाई क्यों ज़रूरी है, दाँतों की ब्रशिंग और फ्लॉसिंग की सही विधि, बैलेंस्ड डाइट का ओरल हेल्थ पर प्रभाव, सामान्य दंत समस्याएँ जैसे कैविटी और गम डिज़ीज़ व उनसे बचाव के उपाय. सत्र को रोचक और प्रभावी बनाने हेतु डेमोन्स्ट्रेशन, सरल व्याख्या और प्रश्नोत्तर सत्र का उपयोग किया गया। बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया, प्रश्न पूछे और प्रतिदिन सही तरीके से ब्रश करने व अच्छी ओरल केयर हैबिट्स को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन शाखा की प्रेसिडेंट - डॉ. मनुप्रीत कौर, सेक्रेटरी - डॉ. नूपुर सरकार, स्पीकर - डॉ. अनिरुद्ध गांधी, कोषाध्यक्ष - डॉ. नितेश जैन, मीडिया रिप्रेज़ेन्टेटिव - डॉ. जय टांक तथा सभी आई.डी.ए. मेंबर्स का धन्यवाद व्यक्त किया गया।

विद्यालयीन समय में परिवर्तन से बच्चों की नैसर्गिक स्वतंत्रता, शारीरिक एवं मानसिक विकास पर गहरा आघात

शासन का निर्णय छात्रों के हित में नहीं - विष्णु लोधी

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु लोधी ने कहा कि शासन द्वारा 22 जुलाई को जारी आदेश अनुसार शनिवार को विद्यालयीन समय को प्रातः 7:30 बजे से परिवर्तित कर प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक किए जाने का निर्णय छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के व्यापक हितों के विपरीत है।

विष्णु लोधी ने कहा कि विगत वर्षों से विद्यालयों का संचालन शनिवार को सप्ताह में एक दिन प्रातःकालीन सत्र में किया जाता था, जिससे बच्चों को शारीरिक खेलकूद, योगा, रचनात्मक गतिविधियाँ, पारिवारिक समय और मानसिक विश्राम के पर्याप्त अवसर मिलते थे। लेकिन अब सायं तक विद्यालय खुलने से बच्चों की रचनात्मकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, उनकी स्वतंत्रता सीमित होगी और मानसिक थकावट का स्तर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न शैक्षणिक, शारीरिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ केवल प्रातः कालीन समय में ही प्रभावी रूप से संचालित हो सकती हैं। यह बदलाव बच्चों को मशीन बना देने जैसा है, जो किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं है। विष्णु लोधी ने शासन से आग्रह किया कि छात्रों के सर्वांगीण हित को प्राथमिकता देते हुए इस आदेश पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए तथा पूर्ववत शनिवार को प्रातःकालीन समय को बहाल किया जाए।

विद्यार्थी ने विघ्नविनाशक भगवान श्री गणेश की मनोहारी पेन्टिंग का किया निर्माण

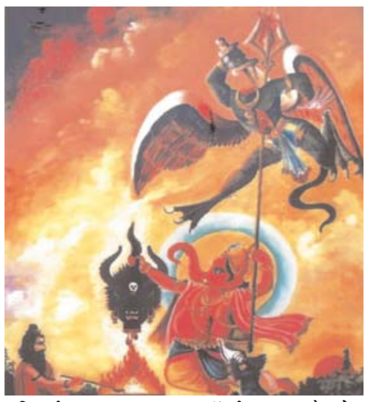

भिलाई (दावा)। प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस.विद्यार्थी ने विघ्नविनाशक भगवान् श्री गणेश की मनोहारी पेन्टिंग का निर्माण किया है। इस कृति को महाकौशल कला परिषद रायपुर द्वारा पूर्व में आयोजित अखिल भारतीय चित्रकला स्पर्धा में वर्ष के श्रेष्ठ पेन्टिंग का पुरस्कार मिल चुका है। विद्यार्थी ने अपनी पेन्टिंग का वर्णन करते हुए बताया कि यज्ञ के दौरान दुष्टों का नाश करने के कारण गणेश जी को विघ्नहर्ता का नाम मिला है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हमारी भारतीय सेना भी उसका अनुसरण करते हुए पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों का दंड दे रही है। छत्तीसगढ़ के चित्रकार द्वारा समकालीन भारतीय कलाजगत में अपनी कला के श्रेष्ठतम प्रदर्शन के लिए सुप्रसिद्ध चित्रकार बी.एल.सोनी, आचार्य महेश चंद्र शर्मा, रंगकर्मी विजय शर्मा, मोहन बराल, प्रवीण कालमेघ, मीना देवांगन, साहित्यकार मेनका वर्मा एवं ललित कला अकादमी नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ से प्रथम बोर्ड मेम्बर डॉ.अंकुश देवांगन ने बधाई दी है।

पेंशनर्स एसो. के बैनर तले सेवानिवृत अधिकारी-कर्मचारी द्वारा शिक्षण सामग्री का वितरण

माता-पिताविहीन बच्चों के चेहरे पर खुशियां बिखेरकर बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया- बीईओ

डोंगरगढ़ (दावा)। गत दिनों शहर के प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों का विकासखंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उन बच्चों का सर्वे करवाया गया, जिनके माता पिता दोनों का निधन हो चुका है। सर्वे में 100 बच्चों का चिन्हांकन किया गया। जिन्हें पेंशनरों द्वारा अपनी पेंशन की राशि से स्कूल बैग, कॉपी एवं अन्य सामग्री का वितरण शासकीय कन्या शाला डोंगरगढ़ में आयोजित समारोह में किया गया। पेंशनरों की इस पहल से प्रभावित होकर ब्लॉक समन्वयक इनायत अली एवं सुजाता साहू द्वारा 100 नग कापी का वितरण किया गया।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी गरचा मैडम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पेंशनरों ने माता पिता विहीन बच्चों के चेहरे पर खुशियां बिखेरकर बहुत ही सराहनीय कार्य किया। संरक्षक एल.के. नारंग ने कहा कि 2026 में मेधावी छात्रों को विशेष राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष हंसराज साहू ने कहा कि इसी तरह का आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए भी आयोजित किया जाएगा।उक्त कार्यक्रम हेतु आर्थिक सहयोग हंसराज साहू, एल.के. नारंग, जे.के. जैन, डी.पी. शर्मा, के.आर. देवांगन, सी.पी. शर्मा, कुंता कांडे, रमेश बहेकर, हेमंत साहू, कुलदीप साहू, बी.आर बघेल, कन्हैयालाल अग्रवाल, मंथिर साहू, के.के.वर्मा, योद्धासिंह राठौर, भागचंद चंद्रवंशी, एस.आर. वर्मा, त्रिभुवन दुबे, श्यामलाल महोबिया, रामनाथ भैंसारे, भग्गूलाल साहू, कँवलराम साहू, काशीराम साहू, एस. आर. वर्मा, बालाराम साहू ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कन्या शाला के प्राचार्य राजेश कन्नौजे, ब्लॉक समन्वयक इनायत अली, संकुल समन्वयक सुरेश सहारे, मोहन साहू, लक्ष्मी देवांगन का विशेष सहयोग रहा।

पुलिस चौकी सुरगी के 27 गांवों में पूर्ण शराबबंदी, क्षेत्रवासियों में खुशी

राजनांदगांव (दावा)। जिले के सुरगी में स्थित पुलिस चौकी ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अपने अंतर्गत आने वाले 27 गांवों में पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी है। पुलिस चौकी प्रभारी निरीक्षक शंकर गिरी गोस्वामी और उनकी टीम के प्रयासों की स्थानीय लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह सराहनीय कदम सुशासन तिहार के दौरान मिली शिकायतों के आधार पर उठाया गया। पुलिस ने ग्रामीणों, समाज प्रमुखों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से अवैध शराब, गांजा और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है।

पुलिस और समुदाय की भागीदारी

पुलिस की इस पहल से प्रभावित होकर भर्रेगांव के युवाओं ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका गांव शराब मुक्त होगा और अब वे गांव का माहौल देखकर बहुत खुश हैं। क्षेत्र के लोगों ने पुलिस चौकी प्रभारी शंकर गिरी गोस्वामी और उनके स्टाफ को सम्मानित करना शुरू कर दिया है और आगे भी उन्हें सम्मानित करने का मन बना लिया है।

इन गांवों में लागू हुई शराबबंदी

पुलिस चौकी सुरगी के अंतर्गत आने वाले जिन गांवों में शराबबंदी हुई है। उनमें हल्दीघाट, भंवरमरा, सिंघोला, रानीतरई, महाराजपुर, आलीखुटा, डोडिया, भोड़िया, भोथीपारखुर्द, भोथीपार नया, भोथीपार पुराना, उसरीबोड़, धामनसरा, जंगलेसर, मुड़पार, मलपुरी, सुरगी, कुम्हालोरी, बेलटिकरी, कोटराभाटा, बुचीभरदा, आरला, मोखला, भर्रेगांव, पारीखुर्द और कुसमी शामिल हैं।

पुलिस की रणनीति

निरीक्षक शंकरगिरी गोस्वामी ने बताया कि अवैध शराब, गांजा, जुआ और सट्टा की शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की मुख्य भूमिका नशे की तस्करी को रोकना, अवैध विक्रेताओं को पकड़ना और समुदाय के साथ मिलकर नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कानूनी कार्रवाई, जागरूकता अभियान, सामुदायिक पुलिसिंग और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग के माध्यम से इस लड़ाई को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकती है।

डोंगरगांव शराब भट्टी में फ्लाइंग स्क्वॉड की दबिश

आईकॉन व्हिस्की को ओवररेट में बेचने पर हुई कार्यवाही

राजनांदगांव(दावा)। आबकारी आयुक्त आर. संगीता के नेतृत्व में डोंगरगांव स्थित कम्पोजिट मदिरा दुकान में गुरुवार को स्टेट फ्लाइंग स्क्वॉड ने दबिश दी। जानकारी के अनुसार यहां पर शराब में ओवर रेट वसूली की शिकायते लगातार मिल रही थी। इन्हीं शिकायतों के आधार पर आज टीम ने कार्रवाई की।

बताया जा रहा है कि पूर्व में भी इस शराब भट्टी से संबंधित अनियमितताओं की शिकायतें प्रशासन को मिल चुकी थीं। कार्रवाई के दौरान रिकॉर्ड की जांच की गई और संबंधित कर्मचारियों से पूछताछ की गई। आबकारी निरीक्षक योगेश सोनी के नेतृत्व में राज्य स्तरीय उड़नदस्ता कार्रवाई की है। बताते है कि सुपरवाइजर गजेंद्र सिंह राजपूत की बहुत ज्यादा शिकायतें मिल रही थी उसी के मार्गदर्शन में ओवररेटेड मिलावट आदि चल रहा था। फ्लाइंग स्क्वॉड की इस कार्यवाही से शराब भट्ठियों में हड़कंप मच गया है। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय उड़नदस्ता की कार्यवाही में छ.ग आबकारी अधिनियम की धारा - 39(ग) ओवररेट की कार्यवाही करते हुए 24 नग पाव आईकॉन व्हिस्की (कुल मात्रा 4.320 लीटर मदिरा) जप्त की गई। उक्त मदिरा दुकान में 24 नग पाव आईकॉन व्हिस्की का टेस्ट परचेस कराने पर उक्त मदिरा 2880 रु. के स्थान पर 2980 रु. में विक्रय किया गया अर्थात् 100 रु. ओवररेट किया गया।

शराब पीने की की सुविधा उपलब्ध कराने वाले ढाबा संचालक पर हुई कार्यवाही

- शराब के नशे में उत्पात मचाने वाले पर 36(च)2 आब. एक्ट की गई कार्यवाही
- सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले 5 लोगों पर धारा 36(च) आबकारी एक्ट के तहत की गई कार्यवाही

राजनांदगांव (दावा)। अपराध के रोकथाम व नियंत्रण तथा गणेश उत्सव पर्व में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु असमाजिक तत्वों के खिलाफ सतत् अभियान कार्यवाही किया जा रहा है। इस चलाए जा रहे सतत् अभियान के तहत जलशा ढाबा देवादा के संचालक द्वारा अपने पार्किंग स्थल में शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने पर आरोपी ढाबा संचालक रउफ खान पिता मो. इब्राहिम खान उम्र 41 साल निवास तितुरडीह थाना मोहन नगर दुर्ग के विरूद्ध धारा 36(ग) आबकारी एक्ट की कार्यवाही किया गया। ग्राम देवादा हमारा ढाबा के सामने आम जगह पर शराब के नशे में उत्पात मचा रहे ढाबा संचालक आरोपी दीपक यादव पिता अशोक यादव उम्र 32 साल निवासी देवादा थाना सेमनी राजनांदगांव के विरूद्ध धारा 36(च)2 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया तथा सार्वजनिक स्थान देवादा में शराब सेवन करने वाले ऋषि पटेल पिता चंद्रकुमार पटेल उम्र 38 साल निवासी कौरिनभाठा राजनांदगांव, डोमेश्वर साहू पिता पुरूषोत्तम साहू उम्र 48 साल निवासी पताल भैरवी मंदिर के पीछे राजनांदगांव, दीपेश विश्वकर्मा पिता रामअवतार विश्वकर्मा उम्र 31 साल निवासी ग्राम ईरा थाना सोमनी राजनांदगांव, कामता प्रसाद साहू पिता बहूरसिंग साहू उम्र 35 साल निवासी चिखली राजनांदगांव, राजेश्वर साहू पिता संतोष साहू उम्र 34 साल निवासी ग्राम ईरा थाना सोमनी राजनांदगांव के विरूद्ध धारा 36(च) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। ढाबा संचालकों के लाइसेंस निरस्त करने हेतु प्रस्ताव पुलिस अधीक्षक के माध्यम से कलेक्टर को भेजा जाना सुनिश्चित किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी उनि प्रमोद श्रीवास्तव, प्र.आर. हेमंत अनंत, डूलेश्वर साहू, ईमल किशोर, आर. गुलाब चंद्राकर, चंद्रप्रताप सिंग, लीलाराम साहू का सराहनीय भूमिका व महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

राजनांदगांव (दावा)। अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे छग प्रदेश एनएचएम कर्मचारी संघ ने आज सड़कों पर लोगों से भीख मांग कर किया प्रदर्शन।

गुजराती स्कूल की छात्रा होमेश्वरी पटेल तैराकी में स्टेट लेवल पर हुई चयनित

राजनांदगांव (दावा)। जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव द्वारा संभाग स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-26 तैराकी खेल का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में कराया गया। जिसमें गुजराती राष्ट्रीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल की कक्षा छटवी की छात्रा होमेश्वरी पटेल का तैराकी खेल बालिका वर्ग अंडर 14 वर्ष में राज्य स्तरीय तैराकी खेल के लिए चयनित हुई हैं। जिसमें हमारे संस्था की प्राचार्या सुषमा शुक्ला, उपप्राचार्या अर्पणा श्रीवास्तव, स्पोर्ट्स टीचर अनुसुईया साहू, सुधा साहू, संस्था के अध्यक्ष विनय पटेल, सचिव सीए रूपम सोनछात्रा, कोषाध्यक्ष हिमांशु पटेल, कार्यकारिणी सदस्य सूरज बुद्धदेव, पीयूष पटेल एवं शिक्षकगण ने शुभकामनाएं दी।

कैट की स्त्री योजना पर कार्यशाला संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन एवं ईएसआईसी के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में व्यापारी और कर्मचारियों के बीच श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। एस.एन. मंडल ने सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी जो कि व्यापारी एवं श्रमिक के लिए उपयोगी होगी।

कैट के जिलाध्यक्ष राजेश डागा ने बताया कि व्यापारी और सरकार के बीच हम सेतु की तरह कार्य करते हैं, इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ कैट के प्रदेश अध्यक्ष अनिल बरडिया के मार्गदर्शन में कैट नई ऊँचाई की ओर बढ़ रहा है। जिसमें मुख्य रूप से अशोक पांडे, सूरज बुद्धदेव, राजेश माखीजा, राजकुमार शर्मा, भावेश अग्रवाल, संजय तेजवानी, गुरूमुख वाधवा, अर्जुन वाधवानी, अमिनेश रॉय, अमित खण्डेलवाल, प्रतीक अग्रवाल, दिलीप वाधवानी, पुरूषोत्तम भूतड़ा, विलास हरिहारणो, नवीन हरिहारणो, पंकज जैन, नेमीचंद देवांगन, रोहित माखीजा, प्रकाश जैन, विकास अगवाल एवं सोहन देवांगन उपस्थित रहे। उक्त जानकारी लक्ष्मण लोहिया ने दी।

पुरानी रंजिश और प्रेम विवाह को लेकर नाराज ग्रामीण ने की मारपीट

पुलिस की सतर्कता और तत्परता ने बड़ी अनहोनी से बचा गांव

खैरागढ़ (दावा) पुरानी रंजिश और प्रेम विवाह को लेकर नराज थे ग्रामीण। ग्राम कोड़नवागांव में बुधवार देर शाम मारपीट और बवाल की घटना से पूरे गांव का माहौल तनावपूर्ण हो गया खैरागढ़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने बड़ी अनहोनी होन से बचा ली।

दुलारू साहू और उसकी पुत्री अंजली साहू से मारपीट

जानकारी अनुसार, ग्राम कोड़नवागांव निवासी जितेंद्र साहू और नरेंद्र साहू (पिता स्व. परदशी साहू) ने दुलारू साहू और उनकी पुत्री अंजली साहू पर हमला कर दिया बताया गया कि आरोपी दुलारू साहू से पुरानी रंजिश और प्रेम विवाह से जुड़े विवाद के चलत नाराज़ थे।

रात करीब 9 बजे सूचना मिलत ही खैरागढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसी दौरान गांव का युवक रिकेश नेताम कुछ ग्रामीणों को भड़काकर गिरफ्तार आरोपियों पर हमला करने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस की मौजूदगी से स्थिति बिगड़ने से बच गई। जितेंद्र और नरेंद्र साहू के घर पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पुलिस ने सख्ती दिखात हुए भीड़ को काबू में किया और रिकेश नेताम सहित 9 लोगों को हिरासत में ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही देर रात पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा खुद खैरागढ़ थाना पहुंच और प्रेसवार्ता की उन्होंने बताया कि दुलारू साहू द्वारा समाज में प्रेम विवाह के मामल में साथ नहीं दिए जाने से नाराज़ होकर जितेंद्र और नरेंद्र के घर हमला किया, वहीं रिकेश नेताम की दोनों से निजी रंजिश थी, जिसके चलते उसने नशे की हालत में ग्रामीणों।

कुल 11 आरोपी हिरासत में

पुलिस ने इस प्रकरण को दो अलग-अलग मामलों मं दर्ज करत हुए कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है वहीं, अन्य कुछ ग्रामीणों से भी पूछताछ जारी है। खैरागढ़ पुलिस की सतर्कता और तत्परता न गांव को बड़ी अनहोनी से बचा लियाको उकसाकर और बवाल कराया।

जिपं सीईओ सुश्री सुरुचि सिंह ने प्रगतिरत महतारी सदन के निर्माण कार्यों का किया आकस्मिक निरीक्षण

राजनांदगांव (दावा)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम भानपुरी, सोमनी, देवादा, मोखला एवं सुकुलदैहान में प्रगतिरत महतारी सदन के निर्माण कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने महतारी सदन निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्ता के साथ समय सीमा में महतारी सदन के निर्माण कार्य को पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग राजनांदगांव, अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग राजनांदगांव एवं अन्य उप अभियंता उपस्थित थे।

शिव बोरवेल्स एण्ड पंप्स
नंदई चौक, राजनांदगांव
98271-56852
94241-15737
(हेमंत साहू)
सभी प्रकार के सबमर्सिबल पंप के विक्रेता...

आवश्यकता है
प्रेस में रात्रिकालीन चौकीदार, हेल्पर एवं ड्रायवर की आवश्यकता है। अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें।
संपर्क :- दैनिक दावा
बल्देव बाग, राजनांदगांव
मो.- 93004-14726

कंबोडिया और दुबई स्थित साइबर फ्रॉड सेंटरों को डिजिटल अरेस्ट के लिए फर्जी सिम उपलब्ध कराने वाला आरोपी गिरफ्तार

- 'मिशन साइबर सुरक्षा' के तहत सायबर ठगी का बड़ा खुलासा
- डिजिटल अरेस्ट के एक साइबर ठग नागपुर से गिरफ्तार
- गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार वीडियो कॉल पर बने रहने और 25 लाख रुपये ट्रांसफर करने को कहा गया था

कंबोडिया और दुबई से संचालित साइबर गिरोह का पर्दाफाश, फर्जी सिम देने वाला एजेंट नागपुर से गिरफ्तार

राजनांदगांव (दावा)। 'मिशन साइबर सुरक्षा' के तहत राजनांदगांव पुलिस ने एक बड़े साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने नागपुर से एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो कंबोडिया और दुबई में बैठे साइबर अपराधियों को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराता था।

आरोपी की पहचान एयरटेल पीओएस एजेंट गुणवंत रामराव मते के रूप में हुई है, जो नागपुर के कलमना मार्केट यार्ड में गुनू मोबाइल का संचालक है। यह कार्रवाई तब शुरू हुई जब 1 अगस्त 2025 से 12 अगस्त 2025 के बीच एक पीड़िता को 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर ठगा गया। आरोपियों ने खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी बताते हुए पीड़िता को लगातार वीडियो कॉल पर बने रहने के लिए मजबूर किया। इस दौरान गिरोह के अन्य सदस्यों ने ईडी के डायरेक्टर और जज बनकर पीड़िता पर दबाव बनाया और बताया कि उसके बैंक खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए हुआ है। गिरफ्तारी के डर से बचने के लिए, पीड़िता से यूनियन बैंक के खाते से 25 लाख रुपये एचडीएफसी बैंक के एक खाते में जमा करने को कहा गया। डरकर, पीड़िता ने चेक के जरिए यह राशि ट्रांसफर कर दी। ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने बसंतपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2), 3(5) और आईटी एक्ट की धारा 66(सी), 66(डी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के मार्गदर्शन में एक संयुक्त टीम गठित की गई। सायबर सेल प्रभारी विनय पम्मार और थाना प्रभारी बसंतपुर एमन साहू के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर नागपुर में जांच की। जांच में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार आरोपी गुणवंत रामराव मते जनवरी 2025 से ही लोगों के आधार कार्ड और फोटो का दुरुपयोग करके फर्जी सिम एक्टिवेट कर रहा था। उसने स्वीकार किया कि वह ये फर्जी सिम 1500 रुपये प्रति सिम के कमीशन पर कंबोडिया और दुबई में बैठे अपने साथियों को बेचता था, जिनका इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी के लिए होता था। आरोपी को गिरफ्तार कर 28 अगस्त को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

राजनांदगांव पुलिस की अपील

किसी भी व्यक्ति के सरकारी अधिकारी होने के दावे पर विश्वास न करें। खासकर जब वह अज्ञात कॉल या व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर बात करे। किसी भी परिस्थिति में बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर न करें। साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

अवैध शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। धरसींवा और खरोरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो कोचियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 65 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार धरसींवा पुलिस ने सिलतरा चौक स्थित राकेश धर्मकांटा के पास अवैध शराब के पास से आरोपी पवन पारधी 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 48 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं खरोरा पुलिस ने छड़िया खरोरा मार्ग के पास अवैध शराब के साथ आरोपी चंद्रशेखर बांधे 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

राजनांदगांव की सबसे पुरानी ट्रेवल्र्स में कीया कैरेंस(7सीटर) क्रेटा, वेन्यू, एक्सेंट, होंडा अमेज, WRV, बलेनो, रिट्स ये सभी कारें उचित किराए पर कुशल चालकों सहित उपलब्ध है।
-: बग्गा ट्रेवल्र्स :-
सम्पर्क : 9300836360, 9479016360,7898457240

इंडियन नर्सिंग कौंसिल एवं छ.ग. नर्सेस रजिस्ट्रेशन कौंसिल से मान्यता प्राप्त
पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवंआयुष विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(04 वर्षीय पाठ्यक्रम)
प्रवेश योग्यता :
बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण बायोलॉजी विषय एवं नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण
पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग
(02 वर्षीय पाठ्यक्रम)
प्रवेश योग्यता : जी.एन.एम.उत्तीर्ण एवं नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण
100% CAMPUS PLACEMENT
रस्तोगी कॉलेज ऑफ नर्सिंग
जी.ई. रोड, ग्राम - टेडेसरा
जिला- राजनांदगाँव (छ.ग.)
9300252200, 9300558500

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक कुमार बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देवबाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक कुमार बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631 e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com